हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 339 बुद्धवार 02 अप्रैल 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

डीसा पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट और आग में 21 लोगों की मौत, जांच के लिए एसआईटी का गठन

-डीसा दुर्घटना पर पीएम मोदी ने दुख व्यक्त किया, पीड़ित परिवार को 2 लाख की सहायता की घोषणा

अहमदाबाद । मंगलवार को डीसा स्थित पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट के बाद लगी आग में अब तक 21 लोगों की मौत हो चुकी है। भीषण अग्नीकांड में 21 जिंदगी खत्म होने के बाद हरकत में आए सरकार ने पूरे मामले की जांच के लिए पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में 6 सदस्यों वाली स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम (एसआईटी) का गठन कर दिया है। पूरे मामले की जांच के बाद एसआईटी अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। बता दें कि बनासकांठा जिले के डीसा में ढुवा रोड स्थित दीपक ट्रेडर्स नामक पटाखा बनाने वाली फैक्ट्री में आज सुबह ब्लास्ट के बाद आग लग गई थी। घटना इतनी दर्दनाक थी कि ब्लास्ट के बाद फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूरों के शरीर के अंग कई फूट दूर जा गिरे थे। कई श्रमिकों की तो मौके पर ही मौत हो गई थी। अब तक इस घटना में 21 लोगों के मौत की खबर है। सभी श्रमिक मध्य प्रदेश के मूल निवासी होने की जानकारी मिली है। जो पैसे कमाने दो दिन पहले ही डीसा आए थे। बताया जाता है कि दीपक ट्रेडर्स ने केवल पटाखे स्टोर करने का लाइसंस लिया था। इतना ही नहीं लाइसंस भी एक्सपायर हो गया था और उसे रिन्यू नहीं किया गया था। कंपनी के मालिक खूबचंद्र नाहलाणी ने ज्यादा कमाई की लालच में बगैर लाइसंस पटाखे बनाने का काम शुरू कर दिया। आखिर किसकी अनुकंपा से खूबचंद्र नाहलाणी पटाखे स्टोर करने के बजाए उसे बनाने लगा? फायर सेफ्टी के पर्याप्त साधन नहीं होने के बाद भी उसे सील क्यों नहीं किया गया? फिलहाल घटना के बाद से कंपनी का मालिक खूबचंद्र नाहलाणी फरार है।

भारतीय सेना का कमांडर्स सम्मेलन 1 से 4 अप्रैल 2025 तक नई दिल्ली में

नई दिल्ली । भारतीय सेना का कमांडर्स सम्मेलन 1 से 4 अप्रैल 2025 तक नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। यह सम्मेलन सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है, जहां सेना के महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लिए जाते हैं। इस दौरान देश की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की जाएगी और भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीति तैयार की जाएगी। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस सत्र की अध्यक्षता करेंगे और मुख्य भाषण देंगे। इसके अलावा, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ भी सेना के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करेंगे। सम्मेलन में सुधारों का वर्ष पर भारतीय सेना की योजनाओं पर एक प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही, नीति आयोग के सीईओ भी एक सत्र में भाग लेंगे, जिसमें भारत की प्रगति और आत्मनिर्भर सेना के निर्माण पर चर्चा होगी। भारतीय सेना का लक्ष्य तकनीकी रूप से सक्षम, भविष्य के लिए तैयार, और तेज निर्णय लेने वाली सेना बनाना है। इस सम्मेलन में विशेषज्ञों के साथ गहन विचार-विमर्श किया जाएगा ताकि सेना के निर्णय लेने की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाया जा सके। इसके अलावा, संगठन को और मजबूत बनाने और सेना की जमीनी इकाइयों को अधिक सक्षम बनाने पर भी चर्चा की जाएगी। सम्मेलन में सेना के जवानों और उनके परिवारों के कल्याण से जुड़े मुद्दों पर भी विचार किया जाएगा, जिससे उनकी जीवनशैली और कार्य-परिस्थितियों को बेहतर बनाया जा सके।

पीएम पद की दावेदारी पर बोले सीएम योगी, कहा-राजनीति मेरी फुलटाइम जॉब नहीं

लखनऊ । यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उनके और भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेताओं के बीच कोई मतभेद नहीं है बल्कि वह पार्टी की वजह से मुख्यमंत्री की कुर्सी पर हैं। उन्होंने कहा, ''केंद्रीय नेताओं के साथ मतभेद करके क्या मैं यहां पर बैठा रह सकता हूं?'' वहीं भावी प्रधानमंत्री के तौर पर उनके नाम की चर्चा पर उन्होंने कहा कि राजनीति उनके लिए 'फुल टाइम जॉब' नहीं है। मुख्यमंत्री योगी ने यहां एक मीडिया हाउस से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि जो भारत के प्रति निष्ठावान होगा, आरएसएस उसको पसंद करेगा, जो भारत के लिए निष्ठावान नहीं होगा, आरएसएस उसको रास्ते पर लाने के लिए, सन्मार्ग पर लाने के लिए प्रेरणा ही दे सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका प्राथमिक काम उत्तर प्रदेश के लोगों की सेवा करना है जो उनकी पार्टी ने उन्हें सौंपा है। उन्होंने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री हूं और पार्टी ने मुझे राज्य के लोगों की सेवा करने के लिए यहां रखा है। अन्य राज्यों में भाजपा प्रचारक के रूप में सीएम योगी की लोकप्रियता के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि सभी मुख्यमंत्री पार्टी के चुनाव प्रचार का हिस्सा हैं। यह पूछे जाने पर कि उनकी राजनीति में कब तक बने रहने की योजना है, मुख्यमंत्री ने कहा, ''इसकी भी एक समयसीमा होगी।'' उन्होंने कहा, ''राजनीति अगर स्वार्थ के लिए है तो वह समस्या पैदा करेगी। राजनीति अगर परमार्थ के लिए है तो वह समाधान देगी। हमें तय करना होगा कि हमें समाधान का रास्ता अपनाना है या समस्या का रास्ता अपनाना है और मुझे लगता है कि धर्म भी यही है।''

मोहाली की पॉक्सो कोर्ट ने बजिंदर सिंह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

मोहाली । पंजाब में मंगलवार को मोहाली की पॉक्सो कोर्ट ने स्वघोषित पादरी बजिंदर सिंह को 2018 के यौन उत्पीड़न मामले में आजीवन कारावास की सजा दी है। कोर्ट के फैसले के बाद पीड़िता और परिवार ने राहत की सांस ली और न्याय मिलने पर खुशी जाहिर की। पीड़िता ने कोर्ट का आभार जताकर कहा, मैं मोहाली कोर्ट के जज, वकीलों, मीडिया और इस लड़ाई में मेरे साथ खड़े सभी लोगों की शुक्रगुजार हूं। मुझे आज इंसाफ मिला है। वहीं, पीड़िता के पति ने कहा, बजिंदर एक आदतन अपराधी और हिस्ट्रीशीटर है। कोर्ट ने सजा सुनाते समय उसके आपराधिक इतिहास को ध्यान में रखा गया। हमें न्याय प्रणाली पर भरोसा था और आज वह पूरा हुआ। कोर्ट ने इस मामले में 5 अन्य लोगों को बरी किया है, जिन्होंने 7 साल तक सजा भुगती। हम इस फैसले से पूरी तरह संतुष्ट हैं।

वक्फ बिल पर आज आर या पार

आज लोकसभा में होगा पेश वक्फ बिल, 8 घंटे चर्चा, फिर पारित कराने की तैयारी में सरकार, टीडीपी और जदयू समर्थन करेगी, वक्फ बिल के विरोध में वोट करेगा विपक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन बिल बुधवार को दोपहर 12 बजे लोकसभा में आएगा। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में इस पर मुहर लग गई है। उधर, बिल के पक्ष और विपक्ष में राजनीतिक पार्टियां दो खेमों में बंट गई है। इससे लोकसभा में वक्फ बिल पर आज आर या पार का नजारा दिखेगा। वहीं स्पीकर ओम बिरला ने इस पर 8 घंटे चर्चा का समय निर्धारित किया है। एनडीए को बहस में बोलने के लिए 4 घंटे 40 मिनट का समय मिला है। बाकी के वक्त विपक्ष के नेता बोलेंगे। विपक्ष ने कहा कि चर्चा 12 घंटे होनी चाहिए। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बिल पर चर्चा का समय बढ़ाया जा सकता है। इसके बाद बिल लोकसभा में पास किया जाएगा। हालांकि, विपक्ष ने बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक से वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सरकार पर अपने एजेंडे को थोपने और विपक्षी सदस्यों की बात नहीं सुनने का आरोप लगाया।

लोकसभा में बहस के लिए सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की अगुवाई कर रही भाजपा के साथ कांग्रेस, जेडीयू, टीडीपी समेत पार्टियों ने अपने सांसदों के लिए व्हिप जारी किया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि आठ घंटे चर्चा का समय तय किया गया है। इस समय को बढ़ाया जा सकता है लेकिन सदन की सहमति लेकर के। किरेन रिजिजू ने कहा कि अब अगर कोई वॉकआउट करके बहाना करना चाहता है, चर्चा से भागना चाहता है तो उसको हम रोक नहीं सकते। उन्होंने कहा कि चर्चा तो करें। हर दल को अपना पक्ष रखने, अपनी बात रखने का मौका मिलेगा। वहीं वक्फ बिल को लेकर विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका चतुर्वेदी और संजय सिंह आदि ने चर्चा की और निर्णय लिया कि चर्चा में भाग लेंगे और खिलाफ वोट करेंगे।

आज ही कराया जाएगा पास

संसदीय कार्य मंत्री ने ये भी कहा कि बुधवार प्रश्नकाल के तुरंत बाद इस बिल को विचार एवं पारित किए जाने के लिए सदन में रखना चाहता हूं और चर्चा के लिए आठ घंटे का समय तय किया गया है। उन्होंने ये भी कहा कि संसद का ये सत्र 4 अप्रैल तक है। लोकसभा के बाद राज्यसभा से भी इस बिल को पारित कराना होगा। रिजिजू ने कहा कि राज्यसभा में भी तो समय देना पड़ेगा न हमें। लोकसभा जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण राज्यसभा भी है। उन्होंने कहा कि अब अगर दो दिन लोकसभा में ही चर्चा होगी तो राज्यसभा के लिए समय बचेगा क्या। किरेन रिजिजू ने कहा कि इतना अच्छा बिल हमलोग लेकर आए हैं, रिकॉर्ड में दर्ज होगा कि किसने समर्थन किया और किसने विरोध। उन्होंने ये भी कहा कि कल ही चर्चा होगी, जवाब होगी और लोकसभा से इसे पारित कराना है। किरेन रिजिजू ने कहा कि हम हाथ जोड़कर विनती करते हैं, बिल पर बोलने के लिए कुछ नहीं है तो बहाना मत बनाइए। खुलकर बोलिए। उन्होंने ये भी कहा कि चर्चा का समय बढ़ाया जा सकता है लेकिन बिल उसी दिन पारित कराना है। किरेन रिजिजू ने कहा कि बहुत से मुस्लिम भी इस बिल के समर्थन में हैं। जेपीसी में इतनी चर्चा हो चुकी है। इस बिल को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है।

विपक्ष ने किया बैठक से वॉकआउट

विपक्ष ने बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक से वॉकआउट कर दिया। सरकार की ओर से पहले चार से छह घंटे चर्चा का प्रस्ताव रखा गया था। विपक्षी दलों के नेता वक्फ बिल पर कम से कम 12 घंटे चर्चा की मांग कर रहे थे। सरकार की ओर से दो ही दिन का समय बचा होने की बात कहते हुए दो दिन तक चर्चा जारी रखने में असमर्थता जता दी। इसके बाद विपक्षी सदस्यों ने बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक से वॉकआउट कर दिया। बाद में आठ घंटे चर्चा की बात पर सहमति बनी और सरकार की ओर से ये भी कहा गया कि चर्चा का समय और बढ़ाया भी जा सकता है।

देश के अंदर लाल आतंक 12 नहीं, अब सिर्फ 6 जिलों तक सिमट गया : शाह

31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद मुक्त होगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नक्सल समस्या अब देश के 12 जिलों से घटकर सिर्फ छह जिलों में समिति रह गई है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार नक्सलवाद के प्रति निर्मम दृष्टिकोण और सर्वांगीण विकास के लिए अथक प्रयासों के साथ सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से उखाड़ फेंकने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

गृहमंत्री शाह ने लिखा, नक्सल मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, आज हमारे राष्ट्र ने वामपंथी उग्रवाद से सर्वाधिक प्रभावित जिलों की संख्या को 12 से घटाकर मात्र 6 तक समित कर दिया है। भारत 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से उखाड़ फेंकने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

बीते दिनों शाह ने नक्सलवाद को लोकतंत्र का सबसे बड़ा दुश्मन बताया था। उन्होंने कहा था कि मोदी सरकार नक्सलमुक्त भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है और 31 मार्च 2026 तक देश नक्सलमुक्त होकर रहेगा। 31 मार्च 2026 के बाद देश में नक्सलवाद केवल इतिहास में गिना जाएगा, यह हमारा संकल्प है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने 30 मार्च को बीजापुर में 50 नक्सलियों के आत्मसमर्पण करने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने नक्सलियों के सरेंडर करने के फैसले का स्वागत कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीति स्पष्ट है कि जो भी नक्सली हथियार छोड़कर विकास का मार्ग अपनाएंगे, उनका पुनर्वास कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा।

रेखा सरकार के कानून मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ जांच के आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार में कानून मंत्री कपिल मिश्रा को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली दंगे से जुड़े केस में अदालत ने कपिल के खिलाफ जांच का आदेश दे दिए है। 2020 में हुए सांप्रदायिक दंगे में मिश्रा की भूमिका की जांच की मांग करते हुए दायर याचिका पर राउज एवेन्यू कोर्ट ने यह आदेश दिया। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 24 फरवरी, 2020 को दंगे हुए थे, इसमें 53 लोग मारे गए थे और कई घायल हुए थे। अदालत ने कहा कि दिल्ली पुलिस की ओर से उपलब्ध सामग्रियों के आधार पर पता चलता है कि कपिल की मौजूदगी कर्दम पुरी इलाके में थी और एक संज्ञेय अपराध हुआ है जिसकी जांच की आवश्यकता है। कपिल अभी करावल नगर से विधायक हैं और दिल्ली की भाजपा सरकार में उन्हें मंत्री बनाया गया है। मिश्रा कानून और रोजगार सहित कई अहम मंत्रालय संभाल रहे हैं। अडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने प्रथम दृष्टया संज्ञेय अपराध पाया और आगे जांच की जरूरत जाहिर की है। उन्होंने कहा, यह साफ है कि वह कथित अपराध के समय इलाके में मौजूद थे। इसकारण आगे जांच की आवश्यकता है। अदालत ने यमुना विहार निवासी मोहम्मद इलियास की याचिका पर सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इलियास ने कपिल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर यह याचिका दायर की थी। दिल्ली पुलिस ने यह कहकर याचिका का विरोध किया था कि कपिल की दंगों में कोई भूमिका नहीं थी।

डिजिटल भुगतान में भारत को वैश्विक अग्रणी बनाने में आरबीआई की भूमिका अहम : राष्ट्रपति

नई दिल्ली/मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि 'विकसित भारत 2047' का मिशन एक ऐसे वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र की मांग करता है, जो नवोन्मेषी, अनुकूलनीय और सभी के लिए सुलभ हो। उन्हों ने कहा कि आरबीआई ने भारत को डिजिटल भुगतान में वैश्विक अग्रणी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मुंबई में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की 90वीं वर्षगांठ के समापन समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि केंद्रीय बैंक के रूप में आरबीआई भारत की अविश्वसनीय विकास गाथा के केंद्र में है। आरबीआई की पिछले 90 वर्ष की उल्लेखनीय यात्रा की सराहना करते हुए उन्होंने इस बात जोर दिया कि सभी के वास्ते सुलभ वित्तीय परिवेश तंत्र 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंमने कहा कि रिजर्व बैंक ने भारत को डिजिटल भुगतान में वैश्विक अग्रणी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्हों ने कहा कि मौद्रिक और वित्तीय स्थिरता के संरक्षक के रूप में आरबीआई इस यात्रा में एक निर्णायक भूमिका निभाएगा जिसमें एक सुदृढ़ बैंकिंग प्रणाली सुनिश्चित करना, वित्तीय नवाचार को बढ़ावा देना और हमारे वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में विश्वास की रक्षा करना शामिल है। राष्ट्रपति ने कहा कि आरबीआई न केवल बदलते समय के साथ विकसित हुआ है, बल्कि भारत के वित्तीय परिवर्तन का एक प्रमुख वास्तुकार भी रहा है। मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने और वित्तीय समावेशन को मजबूत करने से लेकर मौद्रिक स्थिरता बनाए रखने और मजबूत आर्थिक विकास को सक्षम करने तक, देश की आर्थिक नियति को आकार देने में इसकी भूमिका मौलिक रही है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रौद्योगिकी के तेजी से विकास के साथ वित्तीय धोखाधड़ी और साइबर खतरों का जोखिम भी बढ़ रहा है। इस बढ़ती चिंता के लिए निरंतर सतर्कता की जरूरत है। इसके लिए आरबीआई सक्रिय कदम उठा रहा है, सुरक्षा उपायों को मजबूत कर रहा है और सुरक्षित बैंकिंग वातावरण सुनिश्चित कर रहा है। राष्ट्रकपति ने कहा कि आरबीआई ने पिछले कुछ वर्षों में नाबार्ड, आईडीबीआई, सिडबी और राष्ट्रीय आवास बैंक जैसी प्रमुख संस्थाओं की स्थापना करके देश की वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया है।

पकड़ा गया खालिस्तानी आतंकी पन्नू का झूठ, एक चिट्ठी से सच हुई भारत की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में बैठकर भारत के खिलाफ आग उगलने वाला खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू का झूठ पकड़ा गया। उसने अमेरिकी अदालत को बरगलाने की पूरी कोशिश की। उसने अजीत डोभाल के समन को लेकर झूठ बोला। मगर उसकी दाल नहीं गल पाई और झूठ पकड़ी गई।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू के वकील ने कोर्ट को एक चिट्ठी लिखी थी जिसके बाद अदालत ने ये प्रतिक्रिया दी है। इस चिट्ठी में खुलासा हुआ है कि जब आतंकी पन्नू के सर्वर (समन लेकर जाने वाला) ने ब्लेयर हाउस (जहां भारतीय प्रतिनिधिमंडल रुका था) के बाहर नोटिस देने की कोशिश की तो राष्ट्रपति के गेस्ट हाउस की सुरक्षा में तैनात अमेरिकी सीक्रेट सर्विस एजेंटों ने उसे गिरफ्तार करने की धमकी दी। इसके बाद आतंकी पन्नू के सर्वर ने उस समन को पास के एक स्टारबक्स स्टोर पर ही छोड़ दिया, जो कोर्ट के लिए पर्याप्त साबित नहीं हुआ।

अमेरिकी अदालत ने कहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी के साथ 12-13 फरवरी को अमेरिका दौरे पर आए एनएसए अजीत डोभाल को समन की तामील नहीं हो पाई थी। अदालत ने खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें उसने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को समन यानी नोटिस भेजने का दावा किया था। खबरों के मुताबिक, उस खत की समीक्षा करने के बाद न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के एक जज ने कहा, 'शिकायत अथवा समन होटल प्रबंधन या कर्मचारियों के किसी सदस्य या प्रतिवादी (अजीत डोभाल) के लिए सुरक्षा प्रदान करने वाले किसी अधिकारी या एजेंट को नहीं दी गई थी, जैसा कि अदालत के आदेश में आवश्यक था।' सूत्रों का कहना है कि आतंकी पन्नू ने अजीत डोभाल की दो दिवसीय अमेरिकी यात्रा के दौरान वाशिंगटन डीसी में समन देने के लिए 2 सर्वर और एक जांचकर्ता को काम पर रखा था। चिट्ठी से यह खुलासा हुआ कि एंबिको वालेस नाम का पहला सर्वर 12 फरवरी को शाम 7.22 बजे ब्लेयर हाउस पहुंचा और पाया कि यह एक ही चेकपॉइंट से घिरा हुआ है, जिस पर सीक्रेट सर्विस एजेंटों का पहरा है। सर्वर वालेस ने एक एजेंट को कानूनी दस्तावेज दिखाया, लेकिन उसने कुछ नहीं सुना और सर्वर को तुरंत चेकपॉइंट छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया।

भारत और चिली ने व्यापक व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने का फैसला किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चिली ने पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर बातचीत शुरू करने का मंगलवार को फैसला किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यापक वार्ता के लिए चिली के राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक फॉन्ट की मेजबानी की। बोरिक व्यापार और रक्षा सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा के लिए भारत की पांच दिवसीय राजकीय यात्रा पर हैं। वार्ता के बाद एक वक्तव्य में मोदी ने कहा, ''आज, हमने अपनी-अपनी टीम को पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर चर्चा शुरू करने का निर्देश दिया है।'' उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में

साझेदारी की संभावनाएं तलाशी जाएंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि लचीली आपूर्ति और मूल्य श्रृंखलाएं स्थापित करने के लिए भी काम किया जाएगा। चिली को लैटिन अमेरिका में भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए मोदी ने कहा कि भारत इस देश को अंटार्कटिका के प्रवेश द्वार के रूप में देखता है। उन्होंने कहा कि भारत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, नवीकरणीय ऊर्जा, रेलवे, अंतरिक्ष और अन्य क्षेत्रों में चिली के साथ अपने सकारात्मक अनुभव साझा करने के लिए तैयार है।

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट की सरकारों को फटकार... घर गिराने की प्रक्रिया पूरी तरह असंवैधानिक

-प्रयागराज विकास प्राधिकरण सभी को हर्जाना दें

नई दिल्ली(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सहित देशभर में बुलडोजर एक्शन को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त रुख दिखाया है। प्रयागराज में एक वकील, एक प्रोफेसर और तीन महिला याचिकाकर्ताओं के घरों को 2021 में बुलडोजर से ध्वस्त करने के मामले में मंगलवार सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि घर गिराने की प्रक्रिया असंवैधानिक थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि घर ध्वस्त करने की ये मनमानी प्रक्रिया नागरिक अधिकारों का असंवेदनशील तरीके से हनन भी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह हमारी अंतरात्मा को झकझोरता है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रयागराज विकास प्राधिकरण को आदेश देकर कहा कि पांचों पीड़ितों को 10-10 लाख रुपये का हर्जाना दिया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जिस तरह से तोड़फोड़ हुई, उस अमानवीय और गैरकानूनी कार्रवाई की वजह से मुआवजा लगा रहे है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बुलडोजर एक्शन की कार्रवाई पूरी तरह से अवैध और आश्रय के अधिकार का पूरी तरह से उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस तरह से तोड़फोड़ करना प्रयागराज विकास प्राधिकरण की असंवेदनशीलता दिखाता है। सुनवाई के दौरान जस्टिस उज्जल भुइयां ने अंबेडकर नगर में 24 मार्च को हुई घटना का जिक्र कर कहा कि अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान एक ओर झोपड़ियों पर बुलडोजर चल रहा था। दूसरी तरफ 8 साल की बच्ची अपनी किताबें लेकर भाग रही थी। इस तस्वीर ने सभी को हैरान कर दिया, ये दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, जहां अवैध रूप से तोड़फोड़ की जा रही है और इसमें शामिल लोगों के पास निर्माण कार्य करने तक की क्षमता नहीं है।

याचिकाकर्ताओं ने कहा कि उन्हें एक्शन से पहले कोई नोटिस नहीं मिला। इतना ही नहीं नोटिस भेजने के 24 घंटे के भीतर ही बुलडोजर एक्शन हो गया। याचिकाकर्ताओं के मुताबिक साल 2021 में पहले एक मार्च को उन्हें नोटिस जारी हुआ था, उन्हें 6 मार्च को नोटिस मिला। फिर अगले ही दिन 7 मार्च को मकानों पर बुलडोजर एक्शन हुआ। अधिवक्ता जुल्फिकार हैदर, प्रोफेसर अली अहमद और अन्य लोगों की याचिका पर कोर्ट ने सुनवाई की जिनके मकान ध्वस्त किए गए थे। याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि प्रशासन और शासन को ये लगा कि ये संपत्ति गैंगस्टर और राजनीतिक पार्टी के नेता अतीक अहमद की है। इन सभी लोगों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में फरियाद की थी। लेकिन हाईकोर्ट ने घर गिरने की कार्रवाई को चुनौती देने वाली उनकी याचिका खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

नाम बदलने की भाजपा सरकारों की प्रवृत्ति संकीर्ण राजनीति का द्योतक : मायावती

लखनऊ, ।बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने मंगलवार को कहा कि उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकारों द्वारा जिलों,शहरों और संस्थानों के नाम परिवर्तन की प्रवृत्ति संकीर्ण राजनीति का प्रतीक है। मायावती ने एक्स पर पोस्ट किया 'यूपी की रही सपा सरकार की तरह ही महाराष्ट्र, उत्तराखण्ड व यूपी आदि भाजपा सरकार द्वारा जिला, शहरों व संस्थानों आदि के नामों को बदलने की प्रवृति कानून के राज का गवरनेन्स नहीं बल्कि द्वेष व भेदभाव के आधार पर अपनी विफलताओं पर पर्दा डालने की अति चिन्तनीय संकीर्ण राजनीति।' उन्होंने कहा कि सरकार को इस मामले में यूपी में चार बार सरकार बना चुकी बसपा से सीख लेनी चाहिये जिसने गुड गवरनेंस को ध्यान में रखा कर जिले तहसील और यूनीवर्सिटी नये नामों से बनाये।बसपा सुप्रीमो ने कहा 'सन 1995 के अविभाजित उत्तर प्रदेश से लेकर सन 2012 तक बीएसपी की चार बार रही सरकारों में गुड गवरनेन्स को ध्यान में रखकर अनेकों नई कल्याणकारी योजनाएं व जिले, तहसील, अस्पताल, यूनिवर्सिटी आदि नए नामों से बनाए गए, किसी का नाम नहीं बदला गया। सरकारों को इससे ज़रूर सीख लेनी चाहिए।'

उत्तर प्रदेश के बौद्ध तीर्थ सारनाथ में बनेगा 104 करोड़ की लगात से एलिवेटेड रोड

लखनऊ ।उत्तर प्रदेश के बौद्ध तीर्थ स्थल वाराणसी के सारनाथ में जल्द ही एलिवेटेड रोड का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन को आगे बढ़ाते हुए 1.18 किलोमीटर लम्बे एलिवेटेड रोड के लिए 104.69 करोड़ रुपये की मंजूरी दे दी गई है।यह कदम उत्तर प्रदेश में रोड कनेक्टिविटी के साथ ही पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम (यूपीएसबीसी) के मुताबिक पर्यटकों की गतिविधियों को बढ़ाने के लिए रिंग रोड स्थित कस्तूरबा गांधी विद्यालय से सारनाथ रेलवे स्टेशन के बीच एलिवेटेड रोड बनाई जाएगी। रोड फोर लेन होगी और इसके बनने के बाद सारनाथ जाने वाले पर्यटकों व आमजनों को ट्रैफिक जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा। फोरलेन एलिवेटेड रोड के कार्य को पूरा करने के लिए 730 दिन यानी 2 वर्षों की समयावधि निर्धारित की गई है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में सारनाथ एक धार्मिक स्थल है। यह बौद्ध धर्म के चार प्रमुख तीर्थों में से एक है। यहां पर गौतम बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था। इस कारण यह बौद्ध धर्म के महत्वपूर्ण स्थलों में से एक है। यहां पर देश-विदेश के काफी पर्यटक हर साल आते हैं।

चीफ फार्मेसिस्ट आनंद प्रकाश हुए सेवानिवृत्त

लखनऊ ।डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल चिकित्सालय में चीफ फार्मेसिस्ट आनंद प्रकाश आर्या की सेवानिवृत्ति के अवसर पर उनका भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में चिकित्सालय के निदेशक डॉ सुनील भारतीय, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ राजेश श्रीवास्तव, चिकित्सा अधीक्षक डॉ एस आर सिंह, वरिष्ठ फिजिशियन डॉ सुरेंद्र देव, प्रभारी अधिकारी फार्मेसी शिवजी कुशवाहा, चिकित्सालय के चीफ फार्मेसिस्ट एवं फार्मेसिस्टों के साथ ही अन्य संवर्गों के कर्मी तथा अन्य जनपदों के फार्मेसिस्ट प्रतिनिधि एवं प्रशिक्षु फार्मेसिस्ट भी उपस्थित थे। पूर्व प्रभारी अधिकारी फार्मेसी एस के यादव ने कहा कि चिकित्सालय परिवार जनता की स्वास्थ्य रक्षा के लिए सदैव तत्पर है।प्रदेश का फार्मेसी संवर्ग विभाग की रीढ़ के रूप में काम करता है आर्या की लगभग 36 वर्ष की बेदाग सेवा से सभी युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए। प्रभारी अधिकारी फार्मेसी शिव कुशवाहा ने कुमार के साथ बिताए हुए समय को याद किया और उन्हें एक कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी बताया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए फार्मेसिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव ने आर्या के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आर्या ने नागरिक उड्डयन विभाग एयरपोर्ट पर चिकित्सीय सेवाओं के साथ अनेक तकनीकी सेवा को भी बखूबी अंजाम दिया और बेहद लोकप्रिय रहे। सम्मान समारोह को पूर्व प्रभारी अधिकारी फार्मेसी, हरद्वारी लाल राज, बलरामपुर के चीफ फार्मेसिस्ट प्रद्युम्न सिंह, सुभाष श्रीवास्तव, विवेक कुमार, फार्मेसिस्ट फेडरेशन के प्रांतीय उपाध्यक्ष शिव कारण यादव, अयोध्या मंडल सचिव रविन्द्र, बाराबंकी के चीफ फार्मेसिस्ट तिलक राम, रावेंद्र सिंह, चीफ फार्मेसिस्ट दया शंकर पांडे, अजय कश्यप, दिनेश सिंह, जिला सचिव जी सी दुबे, सुधीर कुमार, रजनीश पांडे, ओ पी पटेल, महेंद्र रावत, आनंद मिश्रा, दिनेश सिंह, अनीता अवस्थी, अंजुम, प्रतिमा, अलका, एस एम सिंह, श्रवण कुमार चौधरी, विशाल राठौर, ने भी संबोधित किया। पूर्व चीफ फार्मेसिस्ट अजय मिश्रा ने काव्यपाठ के माध्यम से आनंद आर्य के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।

नौ को लखनऊ में विशाल रैली की तैयारी, 125वें दिन बिजली कर्मियों ने प्रदेश भर में विरोध प्रदर्शन जारी

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष ने बिजली के निजीकरण की मंशा पर सवाल खड़ा करते हुए आगामी नौ अप्रैल को लखनऊ में बिजली कर्मचारियों और उपभोक्ताओं की विशाल रैली की तैयारी शुरू कर दी है। मंगलवार को लगातार 125वें दिन बिजली कर्मियों ने प्रदेश भर में विरोध प्रदर्शन जारी रखा। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि निजीकरण के पीछे यदि बिजली व्यवस्था में सुधार है तो यह सुधार बिजली कर्मी बहुत तीव्र गति से कर रहे हैं। लेकिन निजीकरण के पीछे कोई और मंशा दिखाई देती है।उन्होंने कहा कि प्रारंभ से ही निजीकरण की प्रक्रिया में कोई पारदर्शिता नहीं है और भ्रष्ट आचरण अपनाया जा रहा है।समिति ने कहा कि यह पता चला है कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण कमे लिए नियुक्त किए गए ट्रांजैक्शन कंसलटेंट मेसर्स ग्रांट थॉर्टन के लोग पावर कारपोरेशन के निदेशक वित्त के कमरे से ही काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि यह सही है तो उत्तर प्रदेश सरकार की,योगी आदित्यनाथ की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस और पारदर्शिता की नीति की खुल्लम-खुल्ला धज्जियां उड़ाई जा रही है।

ग्रीष्म ऋतु की तैयारियों को लेकर केजरीवाल की समीक्षा

-निदेशक ने दिया उपभोक्ताओं से सहयोगात्मक व्यवहार की हिदायत

लखनऊ। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लि.की प्रबन्ध निदेशक रिया केजरीवाल ने मंगलवार को 1912 कस्टमर केयर सेंटर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रीष्म ऋतु की तैयारियों की समीक्षा की और उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।निरीक्षण के दौरान उन्होंने कस्टमर केयर सेंटर पर दर्ज होने वाली शिकायतों की स्थिति, उनके समाधान की गति और उपभोक्ताओं की संतुष्टि स्तर का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गर्मी के मौसम में बिजली आपूर्ति सुचारू रखने और उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए विशेष ध्यान दिया जाए। प्रबन्ध निदेशक ने कर्मचारियों को उपभोक्ताओं से संयमित और सहयोगात्मक व्यवहार करने की हिदायत दी, जिससे शिकायत निस्तारण की प्रक्रिया प्रभावी और उपयुक्त हो।उन्होंने कहा कि 1912 हेल्पलाइन उपभोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण सेवा केंद्र है, और इसके सुचारू संचालन से ही उपभोक्ता संतुष्टि सुनिश्चित की जा सकती है।

झुमके से नहीं अब नाथ कॉरिडोर से है बरेली की पहचान: योगी

-मुख्यमंत्री ने बरेली में 933 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया

बरेली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि पिछली सरकारों ने बरेली की पहचान को झुमका के साथ जोड़ा था जबकि उनकी सरकार ने बरेली को नाथ कॉरिडोर देकर नाथ नगरी को उसकी पौराणिक पहचान दिलाने का काम किया है।

श्री योगी ने यहां 933 करोड़ रुपये की 132 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया और अत्याधुनिक जीवन रक्षक सुविधाओं से लैस 2,554 नई एंबुलेंस का फ्लैग ऑफ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेश के लिए 'स्कूल चलो अभियान' की शुरुआत की। साथ ही 'विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान' को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया।

बरेली के कॉलेज मैदान में योगी ने बरेली विकास प्राधिकरण द्वारा लगाई गई विकास एवं योजनाओं से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन किया और युवा उद्यमियों द्वारा लगाए गए उत्पाद की प्रदर्शनी का भी निरीक्षण किया। लोगों को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि पिछले आठ वर्षों में बरेली ने एक नई पहचान बनाई है।

उन्होंने कहा 'पहले बरेली को झुमके के साथ जोड़ा जाता था, लेकिन हमने इसे नाथ नगरी के रूप में नाथ कॉरिडोर देकर इसकी पौराणिक पहचान दिलाने का काम किया है। आज बरेली स्मार्ट सिटी के रूप में अपनी धमक देश और दुनिया में स्थापित कर रहा है। बरेली में अब निवेश का माहौल बन रहा है। डेयरी, मेडिकल और अन्य उद्योगों में निवेश हो रहा है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।'

योगी ने कहा, 'पहले बरेली को गंदी सिटी कहा जाता था, लेकिन अब यह स्मार्ट सिटी के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। 2017 से पहले बरेली में 5-7 दंगे आम बात थी, लेकिन पिछले 8 साल में एक भी दंगा नहीं हुआ। अब बरेली में दंगा नहीं, चंगा है।' उन्होंने दंगाइयों को चेतावनी देते हुए कहा कि दंगा करने की हिम्मत करने वालों की संपत्ति जब्त कर गरीबों में बांट दी जाएगी।

उन्होने कहा कि शिक्षा समाज की आधारशिला है। उन्होंने बरेली से पूरे प्रदेश में 'स्कूल चलो अभियान' की शुरुआत की। इस दौरान सीएम योगी ने नव नामांकित बच्चों को स्टेशनरी, पाठ्यपुस्तक किट व टॉफी इत्यादि का वितरण किया। उन्होंने कहा 'नया शैक्षिक सत्र शुरू हो रहा है। मैं बरेलीवासियों और पूरे उत्तर प्रदेश के लोगों से आह्वान करता हूं कि इस अभियान से जुड़ें और सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित न रहे।यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की भी जिम्मेदारी है। अगर कोई बच्चा शिक्षा से वंचित रहता है, तो यह समाज और राष्ट्र के लिए चुनौती बन जाता है।' योगी ने 2017 के पहले की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय बेसिक शिक्षा परिषद की हालत खराब थी। स्कूलों में टॉयलेट, पेयजल, फर्नीचर और स्मार्ट क्लास जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं थीं। 1 करोड़ 34 लाख बच्चों ने नामांकन कराया था, लेकिन 60 प्रतिशत बच्चे स्कूल नहीं जाते थे। आज ऑपरेशन कायाकल्प के तहत 96 प्रतिशत स्कूलों में टॉयलेट, पेयजल, फ्लोरिंग, स्मार्ट क्लास और डिजिटल लाइब्रेरी की व्यवस्था हो चुकी है। पिछले साल 1 करोड़ 91 लाख बच्चों को डीबीटी के जरिए 1200 रुपये प्रति बच्चा उनके अभिभावकों के खाते में भेजे गए। बच्चों को दो यूनिफॉर्म, बैग, किताबें, जूते, मोजे और स्वेटर भी दिए जा रहे हैं, जिससे बच्चों में स्कूल जाने की उत्सुकता बढ़ी है।

मुख्यमंत्री ने बेसिक शिक्षा परिषद में 1,25,000 से अधिक शिक्षकों की भर्ती का उल्लेख करते हुए कहा कि पीएम श्री योजना के तहत 1500 विद्यालयों का कायाकल्प किया जा रहा है। कस्तूरबा गांधी विद्यालयों को 8वीं से 12वीं तक गरीब कन्याओं की शिक्षा का केंद्र बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बरेली में अटल आवासीय विद्यालय का शुभारंभ होने जा रहा है, जो श्रमिकों के बच्चों के लिए उत्तम शिक्षा का केंद्र बनेगा।

योगी ने कहा कि इसी तर्ज पर बेसिक शिक्षा परिषद ने भी हर जनपद में मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालय को प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। पहले चरण में 57 जनपदों में जहां पर अटल आवासीय विद्यालय नहीं खोले गए हैं, वहां पर यह मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय प्रारंभ होने जा रहे हैं। पहले चरण में जनपद स्तर पर दूसरे चरण में तहसील स्तर, तीसरे चरण में विकासखंड स्तर पर और चौथे चरण में न्याय पंचायत स्तर पर विद्यालय खोलेंगे।

उन्होने कहा कि प्री प्राइमरी से लेकर सीनियर सेकेंडरी तक यानी नर्सरी से लेकर 12वीं तक की शिक्षा बच्चों को एक ही कैंपस में मिल सके खेलकूद की व्यवस्था हो स्किल डेवलपमेंट की व्यवस्था हो, पूरे शिक्षक हों, शिक्षकों के लिए आवासीय व्यवस्था हो इस कार्यक्रम को लेकर हम इस अभियान को लेकर बढ़ने जा रहे हैं।

योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्र संचारी रोगों के प्रति संवेदनशील हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस, बरेली मंडल में मलेरिया, आगरा में डेंगू, वाराणसी में कालाजार और झांसी में चिकनगुनिया जैसी बीमारियां चुनौती रही हैं। पिछले 8 वर्षों में डबल इंजन सरकार ने इंसेफेलाइटिस को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया है, जिसके चलते गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों में बच्चों की मौतें रुक गई हैं। मलेरिया भी लगभग नियंत्रित हो चुका है, लेकिन इसे जड़ से खत्म करने के लिए जागरूकता और अभियान चलाए जा रहे हैं।

उन्होने कहा कि बरेली, बदायूं और पीलीभीत जैसे जनपदों में मलेरिया और डेंगू को रोकने के लिए जलजमाव को खत्म करने, छिड़काव और लार्वा को नष्ट करने के उपाय किए जा रहे हैं। आशा वर्कर और एएनएम घर-घर जाकर स्क्रीनिंग और जागरूकता अभियान चलाएंगे। इसके साथ ही, स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए 2,554 नई अत्याधुनिक एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। सीएम ने कहा कि 2017 से पहले 108 एंबुलेंस का रिस्पांस टाइम 17-19 मिनट था, जो अब 7 मिनट तक आ गया है। इन नई एंबुलेंस से रिस्पांस टाइम और कम होगा।

अखिलेश यादव के खिलाफ भाजपा का अनोखा प्रदर्शन, मानसिक चिकित्सालय के बाहर पुतले को लगाया इंजेक्शन

वाराणसी, (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के गौशाला में दुर्गंध वाले बयान पर सियासत गरमा गई है। अखिलेश यादव अपने ही बयान पर चारों ओर से घिर गए हैं। भाजपा इसे मुद्दा बनाकर प्रदर्शन कर रही है।

इसी कड़ी में वाराणसी में मंगलवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने अनोखा प्रदर्शन किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने मानसिक चिकित्सालय के बाहर अखिलेश यादव के पुतले पर इंजेक्शन लगाकर विरोध दर्ज कराया।

भाजपा नेता अनूप जायसवाल ने कहा कि गौमाता पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने जो टिप्पणी की थी, उसे लेकर हम भाजपा कार्यकर्ता प्रतीकात्मक रूप से इनका मानसिक इलाज कराने के लिए भर्ती करने आए हैं। यहां इनका इलाज संभव नहीं है। इनको रांची रेफर करना पड़ेगा। आज हम लोगों ने इनको इंजेक्शन दिया है और बिजली के झटके दिए हैं। अब इनका पुतला भी दहन किया जाएगा।

प्रदर्शन में मौजूद विपुल पाठक ने कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव की मानसिक स्थिति अस्थिर है। वह सनातन धर्म के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। उनके खिलाफ यह प्रदर्शन है। बता दें कि पिछले दिनों कन्नौज में समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि भाजपा वाले दुर्गंध पसंद करते हैं, इसलिए गौशाला बना रहे हैं। हम सुगंध पसंद कर रहे थे, इसलिए इत्र पार्क बना रहे थे। सरकार सांड पकड़ रही है या नहीं? यह तो सरकार ही जाने, लेकिन इसके लिए जो पैसा आ रहा है, वो भी ये खा जा रहे हैं।

अखिलेश यादव के बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मातृ संगठन सड़क से संसद तक उन्हें घेरने में लगे हैं। उन पर लोकसभा में भाजपा के सांसद रवि किशन ने सवाल उठाए। दूसरी तरफ राज्यसभा में भाजपा के सांसद दिनेश शर्मा ने अखिलेश यादव के इस बयान को लेकर बड़ा हमला किया।

उत्तर प्रदेश : आसाराम को अंतरिम जमानत मिलने के बाद दुष्कर्म पीड़िता के घर की सुरक्षा कड़ी की गयी

शाहजहांपुर, ।दुष्कर्म के आरोप में उम्र कैद की सजा काट रहे स्वयंभू बाबा आसाराम को तीन महीने की अंतरिम जमानत मिलने पर उत्तर प्रदेश पुलिस ने शाहजहांपुर जिले में रहने वाली पीड़िता के परिजनों द्वारा जान का खतरा जताए जाने के बाद उनके घर की सुरक्षा कड़ी कर दी है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने बताया कि आसाराम को तीन महीने की अंतरिम जमानत मिलने के बाद उन्होंने स्वत- संज्ञान लेते हुए पीड़िता के परिवार की सुरक्षा और कड़ी कर दी है।पीड़िता के घर पर एक सुरक्षाकर्मी तैनात है और पीड़िता के पिता व भाई के साथ एक-एक गनर तैनात रहता है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा अजीजगंज पुलिस चौकी को भी पीड़िता के घर की निगरानी करने का निर्देश दिया गया है।द्विवेदी ने बताया कि उन्होंने एहतियातन पीड़िता के घर और घर के सामने लगे सीसीटीवी कैमरों की रेंज बढ़ायी है।उन्होंने बताया कि इसके अलावा आवश्यकता अनुसार अधिक कैमरे लगाए जा रहे हैं और घर के सामने मुख्य मार्ग के अलावा संपर्क मार्गों पर भी पुलिस निगरानी कर रही है। अधिकारी ने बताया कि घर के आसपास जमावड़ा लगाने पर पूर्ण पाबंदी लगा दी गई है।द्विवेदी ने बताया कि इसके अलावा कोतवाली पुलिस को निर्देश दिए गये हैं कि पीड़िता के परिजन अगर जिले से बाहर जाएं तो इसकी सूचना पुलिस को पहले दें ताकि पुलिस संबंधित जिले की पुलिस को सूचित कर सके। पुलिस अधीक्षक ने बताया, 'हमारे अधिकारी रात व दिन में एक-एक बार पीड़िता के घर पर जाकर सुरक्षा की समीक्षा कर रहे हैं।' पीड़िता के पिता ने रविवार को मीडिया से बातचीत में आसाराम को अंतरिम जमानत मिलने पर अपनी और अपने परिवार की जान का खतरा बताया था।पीड़िता के पिता का कहना है कि जो व्यक्ति बीमारी के बहाने जेल से बाहर आया है वह जोधपुर से इंदौर, उज्जैन और सूरत में घूम रहा है तथा लगातार अपने अनुयायियों से मिल रहा है।पिता ने पूछा आखिर कैसी बीमारी है उसे? पीड़िता के पिता ने कहा, 'अब हमारे परिवार को खतरा बढ़ गया है वह हमारे परिवार के साथ कभी भी कुछ भी कर सकता है।हम तो अब सिर्फ भगवान के भरोसे हैं।' आसाराम को शाहजहांपुर की रहने वाली पीड़िता के साथ 2013 में जोधपुर स्थित आश्रम में दुष्कर्म करने के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। पीड़िता उस दौरान नाबालिग (16) थी।गुजरात उच्च न्यायालय ने आसाराम को हृदय रोग एवं वृद्धावस्था संबंधी अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज के लिए शुक्रवार को अंतरिम जमानत प्रदान की थी।

सौरभ की हत्या तंत्र-मंत्र के लिए नहीं, मुस्कान-साहिल करना चाहते थे शादी

-पुलिस को छानबीन में मिले कई सबूत, जल्दी पेश कर करेगी चार्जशीट

मेरठ, (एजेंसी)। सौरभ की हत्या करने की असली वजह का खुलासा हो गया है। सौरभ हत्याकांड की चार्जशीट पुलिस ने तैयार कर ली है। मुस्कान और साहिल ने सौरभ को क्यों मारा? वजह तंत्र-मंत्र नहीं है। पुलिस छानबीन और केस डायरी से यह बात साफ हो गई है मुस्कान ने साहिल के साथ मिल सौरभ की हत्या की थी। इसके पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। पुलिस जल्द चार्जशीट कोर्ट में दाखिल करेगी। केस डायरी में पुलिस ने साफ कहा है कि हत्या के पीछे तांत्रिक क्रिया जैसा कोई कारण नहीं है। सिर्फ प्रेम प्रसंग के चलते साहिल और मुस्कान ने सौरभ की हत्या कर दी। साहिल-मुस्कान दोनों नशे के आदी थे और दोनों साथ रहना चाहते थे। सौरभ के रहते दोनों शादी नहीं कर सकते थे, इसलिए सौरभ की हत्या कर दी।

पुलिस आरोप पत्र में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, घटना स्थल से मिले सबूतों और पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर के बयान दर्ज कर लिए हैं। मोबाइल, लाश, खून से सने कपड़े, बैग, सूटकेस और खून से सनी चादर फोरेंसिक लैब में भेजी जा चुके हैं। पुलिस ने केस की विवेचना के दौरान दिखाया है कि मुस्कान और साहिल शादी करना चाहते थे, इसलिए सौरभ की हत्या कर दी। पुलिस ने स्पष्ट कर दिया है हत्याकांड में साहिल और मुस्कान के अलावा कोई तीसरा शामिल नहीं था। केस डायरी में पुलिस ने बताया मुस्कान चाकू, ड्रम और बेहोश करने की दवाई लेकर आई थी, जबकि साहिल सीमेंट लेकर आया। ड्रम में शव को सील करने का आइडिया साहिल का था। बता दें सौरभ की लाश 18 मार्च को ब्रह्मपुरी के इंदिरानगर स्थित आवास से बरामद की गई थी। लाश को ड्रम में डालकर सीमेंट के घोल से जमा दिया था। पुलिस ने फोरेंसिक टीम को बुलाया, बाद में मकान सील कर दिया था।

साप्ताहिक मंगलवार परेड का किया गया निरीक्षण, दिये गए आवश्यक दिशा निर्देश

संत कबीर नगर। अपर पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर सुशील कुमार सिंह द्वारा पुलिस लाइन परेड ग्राउण्ड मे साप्ताहिक मंगलवार परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया। परेड में सम्मिलित पुलिस कर्मियों के टर्नआउट को चेक करते हुए सभी अधिकारी/कर्मचारीगणों को ड्यूटी के दौरान उच्च कोटि की वर्दी पहनने व जनता से मधुर व्यवहार स्थापित करने के लिए निर्देशित किया गया। निरीक्षण के पश्चात कर्मियों को शारीरिक रुप से फिट रहने हेतु दौड़ लगवाई गई व परेड के दौरान अनुशासन व एकरुपता के लिए टोलीवार ड्रिल कराई गई। परेड के उपरान्त पुलिस लाइन्स परिसर में मेस, गणना कार्यालय, आमी बैरक आदि का निरीक्षण किया गया तथा पुलिस लाइन की बेहतर साफ-सफाई हेतु प्रतिसार निरीक्षक को निर्देशित किया गया।साप्ताहिक लाइन के आदेश कक्ष मे सभी गार्द रजिस्टरों को चेक करते हुए गार्द की सुरक्षा के संबंध मे सभी गार्द कमांडरों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता पर केंद्र से चार हफ्तों में मांगी जानकारी

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता के मुद्दे पर जानकारी पेश करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को चार हफ्ते का समय दिया है। आरोप है कि राहुल गांधी के पास ब्रिटेन की नागरिकता है और यह सवाल कई वर्षों से चर्चा में हैं। इसी मुद्दे पर एक जनहित याचिका दायर की गई है। इस मामले में हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 21 अप्रैल को होगी।

न्यायमूर्ति एआर मसूदी और न्यायमूर्ति अजय कुमार श्रीवास्तव-प्रथम की खंडपीठ ने यह आदेश कर्नाटक के सामाजिक कार्यकर्ता एस विगनेश शिशिर की याचिका पर दिया। याची ने राहुल गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता मामले में सीबीआई जांच की मांग भी की थी। इससे पहले कोर्ट ने केंद्र सरकार को राहुल गांधी की नागरिकता मामले में कार्रवाई का ब्योरा पेश करने के लिए 24 मार्च तक का समय दिया था। पहले, कोर्ट ने केंद्र से पूछा था कि याचिकाकर्ता के प्रत्यावेदन पर क्या कार्रवाई की गई है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सैनिकों पर विवादास्पद टिप्पणी करने के मामले में आरोपी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी की ओर से कोर्ट में उनके वकील ने वकालतनामा लगाया। एमपी- एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम आलोक वर्मा ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 29 अप्रैल की तारीख तय की है।

गौरतलब है कि सीमा सड़क संगठन के सेवानिवृत्त निदेशक (भारतीय सेना में कर्नल के पद के समकक्ष) उदय शंकर श्रीवास्तव की ओर से वकील ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का परिवाद दायर किया था। उन्होंने बताया था कि 16 दिसंबर 2022 को राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पदयात्रा कर रहे थे। इस दौरान राहुल गांधी ने नौ दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर भारतीय सेना और चीनी सेना के बीच हुई झड़प का जिक्र किया। कहा कि 'लोग भारत जोड़ो यात्रा के बारे में क्या-क्या पूछेंगे, लेकिन चीनी सैनिकों द्वारा हमारे सैनिकों की पिटाई के बारे में एक बार भी सवाल नहीं पूछेंगे'। मामले में सुनवाई के बाद कोर्ट ने राहुल गांधी को बतौर आरोपी तलब किया था।

शिक्षा के बाजारीकरण के विरोध में जारी रहेगा अभियान: दीन दयाल त्रिपाठी

-जयन्ती पर याद किये गये पूर्व आईएएस मेधा संस्थापक लक्ष्मीकान्त शुक्ल

बस्ती (एजेंसी)। पूर्व आईएएस मेधा संस्थापक स्व0 लक्ष्मीकान्त शुक्ल को उनके 72 वें जन्म दिन पर सोमवार को याद किया गया। प्रेस क्लब सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मेधा प्रवक्ता दीन दयाल त्रिपाठी ने कहा कि छात्रों को आर्थिक आधार पर शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति की सुविधा, जाति मुक्त संविधान की परिकल्पना देने वाले लक्ष्मीकान्त को सेवा काल में ही जाति राज पुस्तक लिखने के कारण बसपा की सरकार में उत्पीड़न का शिकार होना पड़ा। उनकी किताब जातिराज को तत्कालीन सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया इसके बावजूद वे डिगे नहीं और शिक्षा, के सवाल पर सड़क से सर्वोच्च न्यायालय तक आखिरी सांस तक लड़ते रहे। उनकी प्रेरणा से मेधा लगातार शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति की सुविधा के सवाल पर संघर्षरत है और इसके बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं।

दीन दयाल तिवारी ने कहा कि यदि लक्ष्मीकान्त शुक्ल के संकल्पों, सिद्धान्तों का दृढता से पालन हो तो अनेक समस्याओं का समाधान हो जायेगा। कहा कि मेधा उनके सपनों को पूरा करने की दिशा में निरन्तर प्रयत्नशील है। कहा कि शिक्षा के बाजारीकरण, कमीशनखोरी से अभिभावक त्रस्त है, प्रति वर्ष कमाई के नजरिये से किताबें बदली जा रही है, प्रतिवर्ष रजिस्टेऊशन फीस के नाम पर अभिभावकों को आर्थिक रूप से कंगाल किया जा रहा है। मेधा इन सवालों को लेकर निरन्तर संघर्षरत है।

कार्यक्रम में शीला पाठक, उमेश पाण्डेय 'मुन्ना', प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, प्रवीण श्रीवास्तव, वीरेन्द्र शुक्ल, गणेश दूबे, वृजेश दूबे, प्रेमचन्द्र पाण्डेय, संजय प्रधान, प्रमोद यादव, राहुल तिवारी, अंशू चौरसिया, अंकेश पाण्डेय, रूद्र आदर्श, जय प्रकाश गोस्वामी आदि ने मेधा द्वारा शिक्षा क्षेत्र में बदलाव के लिये किये जा रहे अभियान के पहल का स्वागत करते हुये पूर्व आईएएस मेधा संस्थापक स्व0 लक्ष्मीकान्त शुक्ल को नमन् किया।

स्व0 लक्ष्मीकान्त शुक्ल के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन् करने वालों में विजय पाण्डेय, आकाश कन्नौजिया, आशीष श्रीवास्तव, कौशल किशोर, गिरीश चन्द्र गिरी, हरि दूबे, नागेन्द्र मिश्र, प्रतीक मिश्र, अजीत कुमार पाण्डेय, राम बोध तिवारी, मयंक पाण्डेय, प्रज्जवल श्रीवास्तव, आयुष उपाध्याय, डा. वीरेन्द्र, राजेश दूबे, अंशू उपाध्याय, राजू दूबे, के साथ ही बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

डीजीपी बोले- यूपी में नहीं बचा कोई माफिया

फ्यूचर लाइन टाईम्स
नोएडा। नोएडा में बेहतर पुलिसिंग के लिए 26 स्थानों पर वीडियो वॉल , 10 पिंक बूथ और 2 थानों पर ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट , 8 पुलिस चौकियों व पुलिस लाइन में बने भवनों का आज लोकार्पण पुलिस महानिदेशक उप्र प्रशांत कुमार ने किया। इस मौके पर सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह, दादरी विधायक तेजपाल सिंह नागर के अलावा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ रवि एनजी, नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम मौजूद रहे। कार्यक्रम नोएडा पुलिस कमिश्नरेट सेक्टर-108 में किया गया।

इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक उप्र प्रशांत कुमार ने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर में बढ़ोतरी ही उप्र में बदलते पुलिसिंग की एक झलक है। प्रदेश में कोई बड़ा माफिया बचा नहीं। लेकिन एक अन्य तरीके के माफिया आ रहे है जो अच्छी पोजिशन में रहते है और गठजोड़ बनाते है। ये प्रजातंत्र के मूल स्तंभ है जो नेक्सेस बनाकर पुलिस पर प्रेशर पैदा करते है। उस पर कड़ा एक्शन लिया जा रहा है।50 सालों के बाद ये तय किया गया कि उप्र में पुलिस कमिश्नरी लागू की जाए। सात चरणों में पुलिस कमिश्नरी लागू की गई। प्रथम चरण में लखनऊ और गौतमबुद्ध नगर को ये सम्मान मिला था।

और इसके बाद से ये कमिश्नरी काम कर रही है। उप्र पुलिस बल विश्व की सबसे बड़ी सिविल पुलिस संस्था है। जिसका नियतन करीब सवा चार लाख है। 2017 इसका संख्या करीब 4 लाख था। ढाई लाख वैकेंसी थी। पिछले आठ सालों में पारदर्शी तरीके से भर्तियां की गई। अब सिर्फ 50 हजार भर्तियां ही बची है। जिसकी घोषणा भी कर दी गई है। हमारी पुलिस फोर्स का ऐज प्रोफाइल करीब 30 साल का हो गया।

कोविड और कुंभ में डियूटी बिफोर सेल्फ

कोविड और कुभं के दौरान जो पुलिस ने सेवाएं दी। डियूटी बिफोर सेल्फ यानी अपनी परवाह न करते हुए सेवाएं देना। ऐसी सेवाएं दी जिनकी कोई ट्रेनिंग नहीं दी गई। ऐसे बहुत से उदाहरण है। जिसमें परिवार के लोग विदेशों में है यहां कोई घटना हो गई वो आ नहीं सकते। ऐसे में उनकी अंतेष्टी भी पुलिस वालों ने धार्मिक तरीके से कराई। वीडियो पर करवाकर दिखाया। 112 की गाड़ियों ने दवा , दूध , सब्जी तक पहुंचाई। उसकी कोई ट्रैनिंग पुलिस को नहीं दी गई थी। महाकुंभ हुआ इसमें केवल कुछ जगहों पर स्पेशल पुलिस के पास ही वेपन थे। बाकी पुलिस रस्सी, सीटी और लाउड हेलर की बदौलत 45 दिन के अंदर 66 करोड़ लोगों को स्नान करवाया।

112 का रिस्पांस टाइम कम हुआ

112 की बात करे रिस्पांस टाइम 2017 में 30 मिनट था। आज ये घटकर आठ मिनट रह गया है। अधिक से अधिक गाड़ियां शामिल की गई। कॉल लेने की कैपेसिटी बढ़ाई गई। हमने हॉटस्पॉट बनाए। उन्ही स्पॉट के आधार पर ही नोएडा में पिंक बूथ बनाए गए है। जिसका सीएसआर के तहत बहुत से उद्घाटन किए गए। पिछले 16 महीनों में 89000 लोगों को सजा दिलाई जिसमें 65 को मृत्यु दंड दिया गया। महिलाओं से संबंधित अपराधों के मामले में सबसे ज्यादा सजा उप्र पुलिस ने लोगों को दिलाई।

नगर पालिका परिषद दादरी : शालिनी गुप्ता द्वारा हरी झंड़ी दिखा कर संचारी रोग और दस्तक अभियान की रैली निकाली गई

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतमबुद्धनगर : दिनांक 1 अप्रैल 2025 को नगर पालिका परिषद दादरी, गौतमबुद्धनगर से अध्यक्ष गीता पंडित और अधिशासी अधिकारी महोदया शालिनी गुप्ता द्वारा हरी झंड़ी दिखा कर संचारी रोग और दस्तक अभियान की रैली पालिका कार्यालय से निकाली गई । संचारी रोग नियंत्रण अभियान और दस्तक अभियान 1 अप्रैल 2025 से 30 अप्रैल 2025 तक चलाया जाएगा । इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी महोदया ने सभी को निर्देश दिए कि नाला सफाई, फॉगिंग और दवाई का छिड़काव समस्त 25 वार्डो में कार्य समय से किया जाय। इस अवसर पर ज्ञान सिंह रावल और हरीश रावल (सभासद गण), डॉ रवींद्र कुमार, अरुण बंसल, रामप्रवेश पाल, सोहराब , नरेंद्र सिंह राठौड़, आशीष मिश्रा, विजयशर्मा जेपी,विक्रम,राजीव,राहुल, श्याम और सभी सफाई मित्र उपस्थित रहे ।

लिफ्ट का पंजीकरण न कराने वालों को नोटिस भेजे जाएंगे

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। जिला प्रशासन ने लिफ्ट का पंजीकरण न कराने वाली कंपनी और संस्था के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी शुरू कर दी है। उन्हें जल्द ही नोटिस भेजे जाएंगे। साथ ही, जिलाधिकारी एक या दो दिन में बैठक कर उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए कार्ययोजना तैयार करेंगे। शासन ने पिछले साल सितंबर में लिफ्ट ऐक्ट लागू किया था। इसके तहत छह माह के अंदर सभी लिफ्ट और निमार्ता कंपनियों का पंजीकरण होना जरूरी था। जिले में 80 हजार से अधिक लिफ्ट हैं। अभी तक सिर्फ 3320 लिफ्ट का पंजीकरण हो सका है। पंजीकरण से प्रशासन को 1.60 करोड़ का राजस्व मिला है। नोएडा और ग्रेनो वेस्ट में लिफ्ट में फंसने और गिरने के मामले सामने आने के बाद यह ऐक्ट लागू किया गया था। पहले हादसों को रोकने के लिए किसी की जिम्मेदारी तय नहीं हो रही थी। ऐसे में खरीदार लिफ्ट ऐक्ट लागू करने की मांग कर रहे थे। इसे लागू करने के बाद प्रशासन ने समिति का गठन कर इसकी कार्ययोजना तैयार की थी। ऐक्ट के तहत पंजीकरण का शासन की तरफ से निर्धारित समय 31 मार्च को पूरा हो गया, लेकिन अब भी 75 हजार से अधिक लिफ्ट संचालकों ने पंजीकरण नहीं कराया है। इनमें सरकारी और गैर सरकारी संस्था दोनों ही शामिल हैं। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा का कहना है कि पंजीकरण न कराने वाले संचालकों को नोटिस भेजे जाएंगे। साथ ही, जल्द ही इसे लेकर बैठक होगी, जिसमें ऐक्ट के तहत लागू जुमार्ने की कार्रवाई की जाएगी।

त्रिवेदी कान्वेंट स्कूल सलारपुर ने मनाया प्रथम स्थापना दिवस, मुख्य अतिथि रहे अशोक भाटी

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा : नोएडा सेक्टर 81, सलारपुर स्थित त्रिवेदी कान्वेंट स्कूल ने अपने प्रथम स्थापना दिवस को भव्य वार्षिक महोत्सव के रूप में मनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गौतमबुद्ध नगर भाकियू जिलाध्यक्ष एवं अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के अशोक भाटी रहे। उन्होंने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना एवं अतिथियों के स्वागत में बच्चों द्वारा प्रस्तुत विशेष कार्यक्रमों से हुई। बच्चों ने हरियाणवी और राजस्थानी संस्कृति को दशार्ने के साथ-साथ स्वतंत्रता सेनानियों और महापुरुषों की झांकियां प्रस्तुत कीं। शिव-पार्वती की झांकी ने विशेष रूप से दर्शकों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि अशोक भाटी ने बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों और महिमा बंगारी के सुंदर संचालन की सराहना की। उन्होंने स्कूल प्रबंधक अतुल त्रिवेदी और पूरे स्टाफ का आभार व्यक्त किया। उन्होंने नर्सरी से कक्षा 8 तक पढ़ाई में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को शील्ड देकर प्रोत्साहित किया।

अपने संबोधन में अशोक भाटी ने कहा, ह्लमाता-पिता को बच्चों की पढ़ाई के साथ खेलकूद और उनकी पसंद का भी ख्याल रखना चाहिए। जितना हो सके, बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रखना चाहिए। शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक और धार्मिक ज्ञान भी आवश्यक है। मेरी शुभकामनाएं हैं कि आप सभी पढ़ाई और खेलकूद में प्रथम स्थान प्राप्त करें। स्कूल प्रबंधक अंकित त्रिवेदी

ने वर्षभर की उपलब्धियां अतिथियों और अभिभावकों के सामने रखीं। इस अवसर पर विशेष अतिथियों में राकेश त्रिवेदी, जितेंद्र चौहान, राजेंद्र चौहान, इंद्रपाल सेंगर, विशेष नागर, अलका त्यागी, दिनेश गिरी, महेश यादव, मनोज कुमार, सुनील भाटी, दीपक भाटी और पार्थ गुर्जर शामिल रहे।

प्रबंधक अतुल त्रिवेदी और प्रिंसिपल धर्मेंद्र दुबे ने सभी अतिथियों का पुष्पमालाओं, पुष्प गुच्छों, प्रतीक चिन्ह और श्री रामलला की प्रतिमा भेंट कर स्वागत और अभिनंदन किया।

आईएमएस ने इंडो-आइसलैंडिक बिजनेस एसोसिएशन के साथ किया एमओयू साइन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा ने वैश्विक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए इंडो-आइसलैंडिक बिजनेस एसोसिएशन (आईआईबीए) के साथ एमओयू हस्ताक्षर किए। इस समझौते का उद्देश्य आपसी सहयोग से शैक्षणिक, व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देना है। संस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान एमओयू पर आईएमएस नोएडा के प्रसिडेंट राजीव कुमार गुप्ता एवं आईआईबीए के चेयरमैन प्रसून देवाण ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।राजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि यह साझेदारी हमारे छात्रों और फैकल्टी के लिए एक शानदार अवसर है, जिससे वे वैश्विक व्यापार और उद्योग जगत से सीधे जुड़ सकेंगे। यह समझौता न केवल अकादमिक विकास को बढ़ावा देगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारे संस्थान की पहचान भी मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि इस समझौते से शिक्षा के क्षेत्र में हम संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम, अकादमिक शोध, कार्यशालाएं एवं सेमिनार का आयोजन करेंगे। वहीं व्यापार के क्षेत्र में हमें नए अवसरों की जानकारी एवं छात्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यावसायिक अवसरों से जोड़ने का अवसर मिलेगा। दोनों ही संस्थान भारत एवं आइसलैंड के बीच सांस्कृतिक, नवाचार एवं व्यावसायिक संबंधों को बढ़ावा देंगे।वहीं प्रसून देवाण ने कहा कि भारत और आइसलैंड के बीच व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए यह सहयोग एक महत्वपूर्ण पहल है। हम आईएमएस नोएडा के साथ मिलकर इस समझौते को सार्थक बनाने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि यह एमओयू दोनों संस्थानों के लिए नई संभावनाओं और वैश्विक स्तर पर सहयोग के नई राह प्रदान करेगा। यह पहल भारत और आइसलैंड के बीच व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने में सहायक होगी।

शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर बुजुर्ग से 14.59 लाख रुपये ठगे

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। साइबर अपराधी ने सेक्टर-137 निवासी बुजुर्ग से शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर 14 लाख 59 हजार रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित ने आरोपियों के बताए बैंक खातों में नौ बार में रकम ट्रांसफर की। रकम निकालने और आठ लाख से अधिक रुपये मांगने पर पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। साइबर अपराध थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-137 स्थित सोसाइटी में रहने वाले 75 वर्षीय बुजुर्ग ने पुलिस को बताया कि 16 दिसंबर 2024 को उनके व्हाट्सऐप नंबर पर मैसेज आया। मैसेज करने वाले नवीन पांडेय ने उनसे संपर्क किया। उसने शेयर मार्केट में निवेश करने पर पांच प्रतिशत तक मुनाफा होने का प्रलोभन दिया। उन्होंने 18 दिसंबर से 22 जनवरी के बीच जालसाजों द्वारा बताए नौ बैंक खातों में कुल 14 लाख 59 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। ये बैंक खाते राजस्थान, पंजाब, केरल, मध्य प्रदेश, ओडिशा, कर्नाटक और महाराष्ट्र में खुले हुए थे। पीड़ित के मुताबिक उन्हें निवेश की हुई रकम भी एक ऐप पर दिखाई दे रही थी। निवेश के बाद उनके शेयर की बाजार में कीमत 95 लाख 35 हजार 366 रुपये दिखाई दे रही थी। इस पर लाभ करीब 80 लाख 60 हजार रुपये दिखाई दे रहा था। पीड़ित ने पिछले दिनों जब मुनाफे की रकम निकालने के लिए कहा तो जालसाजों ने लाभ की 10 प्रतिशत रकम आठ लाख छह हजार रुपये और जमा कराने के लिए कहा। पीड़ित ने रकम जमा करने से मना किया तो आरोपियों ने उन्हें धमकी देना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि यदि रुपये जमा नहीं होंगे तो कोई रकम नहीं मिलेगी। तब जाकर पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। साइबर अपराध थाना प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

वरिष्ठ पत्रकार पवन राज सिंह को पितृ शोक,पत्रकारों ने दी श्रद्धांजलि

फ्यूचर लाइन टाईम्स

नोएडा। नोएडा के आजाद विहार स्थित खोडा कालोनी में आज सुबह वरिष्ठ पत्रकार पवन राज सिंह के पिता तेजपाल सिंह का निधन हो गया।वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे और मेट्रो अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था।उनके निधन से परिवार और मित्रों में शोक की लहर है।आपको बता दे कि श्री तेजपाल सिंह अपने पीछे तीन पुत्रों पवन राज सिंह, राजेंद्र कुमार और ललित कुमार सहित एक बड़ा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर परिजनों और शुभचिंतकों ने गहरा दुख व्यक्त किया।उनका अंतिम संस्कार आज दोपहर बाद ब्रजघाट, गढ़ गंगा में संपन्न हुआ।श्री तेजपाल सिंह के निधन पर

बड़ी संख्या में समाजसेवी, पत्रकार एवम् व्यापारियों ने उनको श्रंद्धाजलि दी और परिवार को ढाढस बंधाया।

जिले में गैंगस्टर की सवा चार अरब से अधिक की संपत्ति जब्त

फ्यूचर लाइन टाईम्स
नोएडा। जिले में कानून-व्यवस्था को चाक चौबंद करने के लिए कमिश्नरेट पुलिस ने बीते तीन वर्षों में गैंगस्टर ऐक्ट के तहत 50 से अधिक अपराधियों और माफिया की चार अरब 37 करोड 91 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की। यह कार्रवाई गैंगस्टर ऐक्ट के कुल 89 मामलों में हुई। जिन अपराधियों पर कार्रवाई हुई, उनमें से ज्यादातर गिरोह बनाकर अपराध कर रहे थे। पुलिस ने उनकी संपत्ति जब्त कर ऐसे बदमाशों की आर्थिक तौर पर कमर तोड़ दी। कमिश्नरेट पुलिस की मीडिया सेल की ओर से सोमवार को जारी किए डाटा के अनुसार वर्ष 2022 में तीनों जोन में गैंगस्टर ऐक्ट के 31 मामलों से संबंधित 59 करोड़ 15 लाख 34 हजार 669 रुपये की संपत्ति को जब्त किया गया। वर्ष 2023 में 39 मामलों में 81 करोड़ 87 लाख 70 हजार 319 रुपये की संपत्ति जब्त की गई। वर्ष 2024 में 14 मामलों में 130 करोड़ 25 लाख 51 हजार 43 रुपये की चल और अचल संपत्ति को जब्त किया गया। वर्ष 2025 के शुरूआती तीन महीने में पुलिस ने महज पांच मामलों में 116 करोड़ 62 लाख 50 हजार 192 रुपये की संपत्ति जब्त की। यह संपत्ति ऐसे बदमाशों या अपराधियों की थी, जिनकी वजह से समाज में भय व्याप्त था। गैंगस्टर की संपत्ति जब्त करने के साथ-साथ पुलिस ने वर्ष 2020 से वर्ष 2024 के बीच 280 मामलों में 1365 गैंगस्टर को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई के मामले में सबसे आगे नोएडा जोन रहा है, जिसने 536 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

सुंदर भाटी से कार्रवाई शुरू हुई

जिले में सबसे पहले चर्चित माफिया सुंदर भाटी के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई थी। वह थाना कासना का हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस ने उसके खिलाफ गैंगस्टर ऐक्ट में कार्रवाई कर दिल्ली के शशि गार्डन शाहदरा स्थित दो मकान को पिछले साल मई में जब्त किया था, जिसकी कीमत करीब 3 करोड़ 44 लाख 90 हजार रुपये तक आंकी गई थी। दो साल में पुलिस ने माफिया सुंदर भाटी की चार करोड़ 69 लाख 90 हजार रुपये और उसके गैंग के सदस्यों की 61 करोड़ 89 लाख 53 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की। सुंदर भाटी के ऊपर डी-11 गैंग के लीडर होने का आरोप है। उसके खिलाफ दूसरे राज्यों और प्रदेश में हत्या, लूट, अवैध वसूली, गैंगस्टर ऐक्ट और गुंडा ऐक्ट में 47 केस दर्ज हैं। इस अवधि में माफिया राज सिंह भाटी की लाखों की संपत्ति जब्त हुई। गैंगस्टर अनिल भाटी, माफिया मनोज उर्फ आसे और रणदीप भाटी गैंग के बदमाश अमित, संजय भाटी आदि की करोड़ों रुपये की कीमत की संपत्ति को जब्त किया गया। इसी के साथ में रणदीप भाटी गैंग के अपराधी योगेश डाबरा, कुख्यात बदमाश अनिल दुजाना गैंग के कई अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनकी करोड़ों की संपत्ति को जब्त किया गया। अधिकारियों ने बताया कि जिले में स्क्रैप माफिया रवि काना के नाम से चर्चित रवि नागर की पुलिस ने चल-अचल संपत्ति जब्त की, जिसकी कीमत 150 करोड़ रुपये आंकी गई। पुलिस ने गैंगस्टर ऐक्ट में कार्रवाई कर उसे जेल भी भेजा।

गैंगस्टर ऐक्ट के तहत अपराधियों की चल और अचल संपत्ति को चिह्नित कर जब्त करने की कार्रवाई की जा रही है। आगे भी कार्रवाई का सिलसिला जारी रहेगा। पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते कई कुख्यात अपराधी सलाखों के पीछे भी पहुंचे हैं।

शराब की दुकानें पूरी रात खुली रहीं

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। शराब की दुकान पर एक अप्रैल से नए आवंटी कब्जा ले लेंगे। ऐसे में 31 मार्च को पूरी रात शराब की दुकानें खुली रहीं, लेकिन 10 बजे के बाद शराब की बिक्री नहीं हुई। रात में 10 बजे के बाद आबकारी विभाग ने शराब की दुकानों पर स्टाक टेकिंग की और दुकानों पर दी गई पीओएस मशीन को जमा किया। एक अप्रैल को सभी दुकान नए आवंटियों के सुपुर्द कर दी जाएंगी। जिला आबकारी अधिकारी सुबोध श्रीवास्तव ने बताया कि वैसे तो दुकानों का समय रात 10 बजे तक का है, लेकिन एक अप्रैल से नए आवंटी दुकानों पर कब्जा ले लेंगे। नए आवंटियों को 31 मार्च की रात के 12 बजे के बाद स्टाक का आवंटन कर दिया। अब वह दुकान पर अन्य व्यवस्थाओं को भी सही करा सकेंगे। नए आवंटियों के द्वारा 1 अप्रैल को सुबह 10 बजे के बाद शराब की बिक्री की जाएगी। कई साल बाद शराब की सभी दुकानों का नए सिरे से आवंटन हुआ है। इसके लिए ई लॉटरी की प्रक्रिया अपनाई गई थी। इससे आबकारी विभाग को 139 करोड़ से अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है। जिले में अंग्रेजी, देसी, भांग व बियर समेत 501 दुकानें है। लॉटरी में सभी दुकाने नए लोगों को आवंटित हो गई।

स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम के तहत छात्रों को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें वितरित की

फ्यूचर लाइन टाईम्स

नोएडा। जनपद के सभी परिषदीय विद्यालयों में स्कूल चलो अभियान के माध्यम से नए शैक्षिक सत्र 2025- 26 का शुभारंभ किया गया।इस अवसर पर जनपद के विद्यालयों को विशेष रुप से सज्जित कर छात्रों का तिलक लगाकर व पुष्प वर्षा कर किया गया।राज्य स्तर पर माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा बरेली कॉलेज मैदान, बरेली के प्रांगण में ह्यस्कूल चलो अभियान का शुभारंभ किया गया, जिसका सजीव प्रसारण जनपद के सभी विद्यालयों में शिक्षकों, छात्रों व अभिभावकों के द्वारा देखा गया।जनपद स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में भी इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया।आज सभी विद्यालयों में छात्रों को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें भी वितरित की गईं।जनपद स्तर पर आयोजित

ह्यस्कूल चलो अभियान कार्यक्रम में सदस्य विधान परिषद, उत्तर प्रदेश श्रीचंद मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहे।इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी नरेंद्र कुमार, उप शिक्षा निदेशक /प्राचार्य डायट राज सिंह यादव, डीपीआरओ वीरेंद्र सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार, जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती श्रुतिकीर्ति, खंड शिक्षा अधिकारी दादरी नरेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, खंड शिक्षा अधिकारी बिसरख चंद्रभूषण प्रसाद, प्राथमिक विद्यालय मथुरापुर, दादरी के प्रधानाध्यापक गजन भाटी, समस्त एसआरजी, एआरपी, शिक्षक संकुल , शिक्षकगण, अभिभावक व सैकड़ों बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन का कार्य एसआरजी रश्मि त्रिपाठी ने किया।ह्यश्रीमंत ह्यूमन हेल्थ एंड वेलफेयर फाउंडेशन लखनऊ की टीम ने ह्यस्कूल चलो

अभियान के अंतर्गत निपुण भारत मिशन की थीम पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से उपस्थित जन समूह को सरकार द्वारा छात्रों के लिए चलाई जा रही डीबीटी स्कीम और सरकारी विद्यालय में छात्रों के पढ़ाए जाने के फायदे बताए।मुख्य अतिथि महोदय के साथ-साथ कार्यक्रम में पधारे अन्य गणमान्य अधिकारी गणों ने छात्रों को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें भी वितरित कीं।मुख्य अतिथि श्रीचंद शर्मा ने अपने उद्बोधन में भारत के विकास की चर्चा करते हुए शिक्षकों से यह अपील की कि शिक्षकों को मां और गुरु दोनों की भूमिका निभानी चाहिए तभी छात्रों का सर्वांगीण विकास संभव है। शिक्षकों की प्रभावी भूमिका से ही भारत विश्वगुरु बन सकता है।जिलाधिकारी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक छात्रों को सपने देखने के लिए प्रेरित करें। शिक्षकों की मेहनत से यदि छात्र आगे बढ़ते हैं तो वही सच्ची उपलब्धि होगी। इसके अतिरिक्त उन्होंने जनपद में संचारी रोगों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग के द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी चर्चा की तथा यह भी अपील की कि छात्रों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए इन रोगों से उनका बचाव बहुत जरूरी है।कार्यक्रम का समापन करते हुए उप शिक्षा निदेशक /प्राचार्य डायट राज सिंह यादव ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए हाल में जनपद के निपुण विद्यालयों का उत्तर प्रस्तुत करते हुए यह आश्वासन दिया कि जिलाधिकारी के कुशल नेतृत्व में जनपद में शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार आएगा।कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर छात्रों की रैली का शुभारंभ किया छात्रों के साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम ने भी गांव में रैली निकाली।रैली के समापन के अवसर पर छात्रों को जलपान वितरित किया गया।

जेवर में स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत रैली निकाली

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। ब्लॉक जेवर के सभी परिषदीय विद्यालयों में नए शैक्षिक सत्र 2025-26 के आरंभ में स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत रैली निकाली गई।अभिभावकों,ग्रामवासियों को अधिक से अधिक नामांकन कराने के लिए प्रोत्साहित किया गया।इस अवसर पर सभी विद्यालयों को गुब्बारों से सुसज्जित कर, छात्रों को रोली

और चावल का टीका लगाकर पुष्प वर्षा करके विद्यालय में उनका स्वागत किया गया।सभी बच्चे बहुत उत्साहित दिखाई दिए।राज्य स्तर पर माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा बरेली कॉलेज मैदान बरेली के प्रांगण में स्कूल चलो अभियान का सजीव प्रसारण सभी विद्यालयों में शिक्षकों और छात्रों के द्वारा देखा गया।सभी विद्यालयों में छात्रों को निशुल्क पाठ्यपुस्तक भी वितरित की गई।

कृषि क्षेत्र में करवट बदलता भारत

प्रहलाद सबनानी

भारतीय अर्थव्यवस्था में किसी भी दृष्टि से कृषि क्षेत्र के योगदान को कमतर नहीं आंका जा सकता है क्योंकि उद्योग एवं सेवा क्षेत्र का विकास भी कृषि क्षेत्र के विकास पर ही निर्भर करता है। अधिकतम उपभोक्ता तो आज भी ग्रामीण इलाकों में ही निवास कर रहे हैं एवं उद्योग क्षेत्र में निर्मित उत्पादों की मांग भी ग्रामीण इलाकों से ही निकल रही है। अतः देश में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना ही होगा।

भारत में लगभग 60 प्रतिशत आबादी आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और अपनी आजीविका के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। जबकि, कृषि क्षेत्र का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 18 प्रतिशत के आस पास बना हुआ है। इस प्रकार, भारत में यदि गरीबी को जड़ मूल से नष्ट करना है तो कृषि के क्षेत्र में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को लागू करना ही होगा। भारत ने हालांकि आर्थिक क्षेत्र में पर्याप्त सफलताएं अर्जित की हैं और भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तथा शीघ्र ही अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही, भारत आज विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था भी बन गया है। परंतु, इसके आगे की राह अब कठिन है, क्योंकि केवल सेवा क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र के बल पर और अधिक तेज गति से आगे नहीं बढ़ा जा सकता है और कृषि क्षेत्र में आर्थिक विकास की दर को बढ़ाना होगा।

भारत में हालांकि कृषि क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए गए हैं और भारत आज कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन गया है। परंतु, अभी भी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। किसानों के पास पूंजी का अभाव रहता था और वे बहुत ऊंची ब्याज दरों पर महाजनों से ऋण लेते थे और उनके जाल में जीवन भर के लिए फंस जाते थे, परंतु, आज इस समस्या को बहुत बड़ी हद तक हल किया जा सका है और किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसान को आसान नियमों के अंतर्गत बैकों से पर्याप्त ऋण की सुविधा उपलब्ध है और इस सुविधा का लाभ आज देश के करोड़ों किसान उठा रहे हैं। दूसरे, इसी संदर्भ में किसान सम्मान निधि योजना भी किसानों के लिए बहुत लाभकारी सिद्ध हो रही है और इस योजना का लाभ भी करोड़ों किसानों को मिल रहा है। इससे किसानों की कृषि सम्बंधी बुनियादी समस्याओं को दूर करने के सफलता मिली है।

भारतीय कृषि आज भी मानसून पर निर्भर है। देश के ग्रामीण इलाकों में सिंचाई सुविधाओं का अभाव है। इस समस्या को हल करने के उद्देश्य से भारत सरकार प्रति बूंद अधिक फसल की रणनीति पर काम कर रही है एवं सूक्ष्म सिंचाई पर बल दिया जा रहा है ताकि कृषि के क्षेत्र में पानी के उपयोग को कम किया जा सके तथा जल संरक्षण के साथ सिंचाई की लागत भी कम हो सके।

देश में कृषि जोत हेतु पर्याप्त भूमि का अभाव है और देश में सीमांत एवं छोटे किसानों की संख्या करोड़ों की संख्या में हो गई है। जिससे यह किसान किसी तरह अपना और परिवार का भरण पोषण कर पा रहे हैं इनके लिए कृषि लाभ का माध्यम नहीं रह गया है। इन तरह की समस्याओं के हल हेतु अब केंद्र सरकार विभिन्न उत्पादों के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य में, मुद्रा स्फीति को ध्यान में रखकर, वृद्धि करती रहती है, इससे किसानों को अत्यधिक लाभ हो रहा है। भंडारण सुविधाओं (गोदामों एवं कोल्ड स्टोरेज का निर्माण) में पर्याप्त वृद्धि दर्ज हुई है एवं साथ ही परिवहन सुविधाओं में सुधार के चलते किसान कृषि उत्पादों को लाभ की दर पर बेचने में सफल हो रहे है अन्यथा इन सुविधाओं में कमी के चलते किसान अपने कृषि उत्पादों को बाजार में बहुत सस्ते दामों पर बेचने पर मजबूर हुआ करता था। खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना भारी मात्रा में की जा रही है इससे कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिल रहा है एवं कृषि उत्पादों की बबार्दी को रोकने में सफलता मिल रही है। आज भारत में उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के उपयोग पर ध्यान दिया जा रहा है ताकि उर्वरकों के उपयोग की आवश्यकता कम हो एवं कृषि उत्पादकता बढ़े। इस संदर्भ में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना भी किसानों की मदद कर रही है इससे किसान कृषि भूमि पर मिट्टी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर कृषि उत्पाद कर रहे हैं। राष्ट्रीय कृषि बाजार को स्थापित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि किसान सीधे ही उपभोक्ता को उचित दामों पर अपनी फसल को बेच सके। साथ ही, कृषि फसल बीमा के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि देश में सूखे, अधिक वर्षा, चक्रवात, अतिवृष्टि, अग्नि आदि जैसी प्रकृतिक आपदाओं के चलते प्रभावित हुई फसल के नुक्सान से किसानों को बचाया जा सके। आज करोड़ों की संख्या में किसान फसल बीमा योजना का लाभ उठा रहे हैं।

देश में खेती किसानी का काम पूरे वर्ष भर तो रहता नहीं है अतः किसानों के लिए अतिरिक्त आय के साधन निर्मित करने के उद्देश्य से डेयरी, पशुपालन, मधु मक्खी पालन, पोल्ट्री, मत्स्य पालन आदि कृषि सहायक क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जा रहा है, ताकि किसानों को अतिरिक्त आय की सुविधा मिल सके।

विश्व के विभिन्न देशों ने अपनी आर्थिक प्रगति के प्रारम्भिक चरण में कृषि क्षेत्र का ही सहारा लिया है। औद्योगिक क्रांति तो बहुत बाद में आती है इसके पूर्व कृषि क्षेत्र को विकसित अवस्था में पहुंचाना होता है। भारत में भी आज कृषि क्षेत्र, देश की अर्थव्यवस्था का आधार है, जो न केवल खाद्य सुरक्षा प्रदान करता है बल्कि करोड़ों नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर भी निर्मित करता है। साथ ही, औद्योगिक इकाईयों के लिए कच्चा माल भी उपलब्ध कराता है। वैश्विक स्तर पर कृषि क्षेत्र की महत्ता आगे आने वाले समय में भी इसी प्रकार बनी रहेगी क्योंकि इस क्षेत्र से पूरी दुनिया के नागरिकों के लिए भोजन, उद्योग के लिए कच्चा माल एवं रोजगार के अवसर कृषि क्षेत्र से ही निकलते रहेंगे। हां, कृषि क्षेत्र में आज हो रही प्रौद्योगिकी में प्रगति के चलते किसानों को कम भूमि पर, मशीनों का उपयोग करते हुए, कम पानी की आवश्यकता के साथ भी अधिक उत्पादन करना सम्भव हो रहा है। इससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ कृषि उत्पाद की लागत कम हो रही है और किसानों के लिए खेती एक उद्योग के रूप में पनपता हुआ दिखाई दे रहा है और अब यह लाभ का व्यवसाय बनता हुआ दिखाई देने लगा है।

केला, आम, अमरूद, पपीता, नींबू जैसे कई ताजे फलों एवं चना, भिंडी जैसी सब्जियों, मिर्च, अदरक जैसे प्रमुख मसालों, जूट जैसी रेशेदार फसलों, बाजरा एवं अरंडी के बीज जैसे प्रमुख खाद्य पदार्थों एवं दूध के उत्पादन में भारत पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। दुनिया के प्रमुख खाद्य पदार्थों यथा गेहूं एवं चावल का भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। भारत वर्तमान में कई सूखे मेवे, कृषि आधारित कपड़े, कच्चे माल, जड़ और कांड फसलों, दालों, मछली पालन, अंडे, नारियल, गन्ना एवं कई सब्जियों का पूरे विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत 80 प्रतिशत से अधिक कृषि उपज फसलों (काफी एवं कपास जैसी नकदी फसलों सहित) के साथ दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया था। साथ ही, भारत सबसे तेज विकास दर के साथ पशुधन एवं मुर्गी मांस के क्षेत्र में दुनिया के पांच सबसे बड़े उत्पादक देशों में शामिल हो गया है।

कुल मिलाकर भारतीय अर्थव्यवस्था में किसी भी दृष्टि से कृषि क्षेत्र के योगदान को कमतर नहीं आंका जा सकता है क्योंकि उद्योग एवं सेवा क्षेत्र का विकास भी कृषि क्षेत्र के विकास पर ही निर्भर करता है। अधिकतम उपभोक्ता तो आज भी ग्रामीण इलाकों में ही निवास कर रहे हैं एवं उद्योग क्षेत्र में निर्मित उत्पादों की मांग भी ग्रामीण इलाकों से ही निकल रही है। अतः देश में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना ही होगा।

संपादकीय

संघ मुख्यालय में मोदी

नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के 11 साल बाद पहली बार नागपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) मुख्यालय पहुंचने के कई निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। मोदी के पहले अटल बिहारी वाजपेयी ने साल 2000 में अपने तीसरे कार्यकाल में संघ मुख्यालय का दौरा किया था। मोदी भी अपने तीसरे कार्यकाल में संघ मुख्यालय गए। स्वाभाविक तौर पर मोदी ने संघ के साथ अपने अटूट संबंधों की जुगाली की। उन्होंने 'माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर' की आधारशिला रखने के बाद कहा कि, 'संघ भारत की अमर संस्कृति और आधुनिक अक्षयवट है, जिसके आदर्श और सिद्धांत राष्ट्रीय चेतना की रक्षा करना है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यह (संघ) देश की चेतना को ऊर्जा प्रदान करता है।' हालांकि मोदी के नागपुर जाने और संघ प्रमुख सहित अन्य पदाधिकारियों से मिलने को विपक्ष भले मुद्दा बनाने की कोशिश में है, मगर भाजपा के नेताओं का वहां जाना कतई गलत नहीं माना जा सकता है। संघ से पीएम मोदी का दिलों का रिश्ता है, ये दशकों पुराना है. ये सफर 1972 में शुरू हुआ था। 1972 में नरेन्द्र मोदी संघ में शामिल हुए थे। प्रचारक बने, फिर के जरिए भाजपा में एंट्री हुई। गुजरात में संगठन की जिम्मेदारी मिली। 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने। संघ का उन्हें मजबूत समर्थन मिला। बहरहाल, मोदी के इस दौरे को भाजपा के नये अध्यक्ष के चुनाव को लेकर विचार-मंथन के तौर पर भी देखा जा रहा है। हालांकि खुद प्रधानमंत्री इस साल सितम्बर में 75 वर्ष के हो जाएंगे। स्वाभाविक है कि उनकी उम्र और भाजपा के उम्र संबंधी नियम-कायदों का भी उनके दौरे में चिंतन-मनन होगा। 2024 में संपन्न हुए लोक सभा चुनाव में मोदी का मैजिक नहीं चल सका। पार्टी आशा के अनुरूप सीटें हासिल करने में नाकामयाब रही। लाजिमी है कि पार्टी के इस लचर प्रदर्शन को लेकर यह विश्लेषण भी सामने आया कि संघ का समर्थन शायद भाजपा को नहीं मिला। वजह चाहे जो भी हो, फिलहाल भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और संघ के शीषर्स्थ पदाधिकारियों में इस बात को लेकर गहराई से यह विमर्श हो रहा है कि पार्टी 2029 में आसन्न लोक सभा चुनाव को लेकर किस तरह की रणनीति के साथ जनता के बीच आए। इसी दरम्यान उत्तर प्रदेश में भी-2027- में विधानसभा के चुनाव होने हैं। साफ है कि इस प्रदेश में पार्टी के प्रदर्शन को ही 2029 में कमल खिलने की गारंटी मानी जाएगी। चुनांचे, मोदी और संघ की मुलाकात के कई सारे मायने हैं।

चिंतन-मनन

सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है। एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो।

बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है? यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चप्रव्यूह में फंसकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं? संप्रदायवाद, जातिवाद, भाषावाद और प्रांतवाद को भड़का करके क्यों सत्ता की गोटियां बिठाई जा रही हैं? आज की राजनीति को देखकर मन ग्लानि और वितृष्णा से भर जाता है। आखिर यह सबकुछ कब तक चलता रहेगा?

जल संकट का समाधानः परंपरागत ज्ञान और आधुनिक तकनीक का संगम

डॉ. सत्यवान सौरभ

जल संकट आज की दुनिया के सबसे गंभीर मुद्दों में से एक है। बढ़ती जनसंख्या, अनियंत्रित औद्योगीकरण, और जलवायु परिवर्तन ने पानी की उपलब्धता पर गंभीर प्रभाव डाला है। इस संकट से निपटने के लिए हमें परंपरागत जल संरक्षण तकनीकों और आधुनिक विज्ञान व तकनीक के समन्वय की आवश्यकता है।जल संरक्षण का अर्थ है पानी के स्रोतों का समझदारी से प्रबंधन करना ताकि भविष्य में पानी की कमी न हो। भारत के पास दुनिया का केवल 4% मीठा पानी है, लेकिन इसकी 18% आबादी जल संकट से जूझ रही है। इस समस्या को हल करने के लिए सरकार और समुदायों की भागीदारी जरूरी है। आंध्र प्रदेश में जल शक्ति अभियान और नीरू-चेट्टू जैसी योजनाओं ने पानी की उपलब्धता बढ़ाने में मदद की है।

स्थानीय समुदाय अपने पारंपरिक ज्ञान और नए तकनीकी उपायों को अपनाकर पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। महाराष्ट्र का हिवरे बाजार मॉडलः इस गाँव में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके भूजल स्तर बढ़ाया गया। वर्षा जल संचयन और कुओं की सफाई से यहाँ जल उपलब्धता बढ़ी। राजस्थान की जोहड़ प्रणालीः छोटे-छोटे तालाबों (जोहड़) के निर्माण से भूजल स्तर सुधरा और सूखे की समस्या कम हुई। उत्तराखंड की चाल-खाल प्रणालीः ये छोटे जलाशय वर्षा जल को संग्रहीत कर भूजल पुनर्भरण में मदद करते हैं। पानी के कुशल उपयोग के लिए पारंपरिक तरीकों और नई तकनीकों को अपनाना जरूरी हैं। नागालैंड की जाबो कृषि पद्धतिः यह विधि बारिश के पानी को इकट्ठा कर खेती के लिए उपयोग करती है, जिससे सूखे की मार कम होती है। राजस्थान के टांके वर्षा जल संग्रहण के लिए बनाए गए छोटे जल भंडार हैं, जिनमें अब आधुनिक निस्पंदन तकनीक भी जोड़ी जा रही है। तमिलनाडु में एरियों (तालाब) प्रणालीः यह प्रणाली वर्षा जल को संग्रहित कर सिंचाई और पेयजल आपूर्ति में मदद करती है। जल संरक्षण के लिए जंगल, नदी, तालाब और मिट्टी को संतुलित बनाए रखना जरूरी है। राजस्थान में ओरण (पवित्र वन) क्षेत्रों में जल स्त्रोतों और जैव विविधता की सुरक्षा होती है, जिससे मरुस्थलीकरण को रोका जाता है। मेघालय की झरना पुनरुद्धार परियोजना के तहत वनों और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, जिससे जल स्त्रोत संरक्षित हो रहे हैं। मध्य प्रदेश में नर्मदा सेवा यात्रा पहल का उद्देश्य नर्मदा नदी के किनारे पेड़ लगाकर जल संरक्षण और पर्यावरण सुधार को बढ़ावा देना है। महाराष्ट्र की पानी पंचायतें और झारखंड की ग्राम सभाएँ जल संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग को सुनिश्चित कर रही हैं।

जलवायु परिवर्तन और अनियमित बारिश जल संकट को बढ़ा सकते हैं। ऐसे में परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियाँ मददगार साबित हो सकती हैं। बुंदेलखंड में सूखा राहत कार्यः तालाबों के पुनर्निर्माण और वर्षा जल संचयन से इस क्षेत्र में पानी की समस्या कम हो रही है। लद्दाख में सर्दियों में कृत्रिम हिमनद बनाए जाते हैं, ताकि गर्मियों में इनसे पानी मिलता रहे। हालांकि, बढ़ते तापमान से यह विधि चुनौतियों का सामना कर रही है। गुजरात में वाडी प्रणाली में जल संरक्षण के लिए टपक सिंचाई और बहुफसलीय खेती अपनाई जाती है। जलवायु परिवर्तन, औद्योगिक प्रदूषण, असमान जल वितरण और सरकारी योजनाओं में पारंपरिक प्रणालियों की अनदेखी प्रमुख बाधाएँ हैं।

समुदायों को जल संसाधनों के प्रबंधन में अधिकार मिलना चाहिए ताकि वे जल को संधारणीय रूप से उपयोग कर सकें। महाराष्ट्र की पानी पंचायतेंः इन पंचायतों के माध्यम से किसानों को पानी का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित किया जाता है। झारखंड में ग्राम सभा अधिनियम के तहत गाँव की सभाएँ छोटे जलाशयों का प्रबंधन कर रही हैं। ओडिशा में पाणी पंचायतः यह योजना सामुदायिक भागीदारी से जल प्रबंधन को बढ़ावा देती है। शहरों को अधिक पानी दिया जाता है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में कमी हो जाती है। उदाहरण के लिए, चेन्नई के लिए आसपास के गाँवों से पानी लिया जाता है, जिससे किसानों को परेशानी होती है। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा जैसी नदियों का प्रवाह कम हो रहा है और जल संकट बढ़ रहा है। पारंपरिक जल संरक्षण प्रणालियों को सरकारी योजनाओं में ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता। कई उद्योग अपशिष्ट जल को नदियों और तालाबों में छोड़ देते हैं, जिससे जल स्त्रोत दूषित हो जाते हैं। परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियों को कानूनी दर्जा मिलना चाहिए। वैज्ञानिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और स्थानीय समुदायों के बीच साझेदारी को मजबूत करना चाहिए। क्ळ मद्रास ग्रामीण इलाकों में वर्षा जल संचयन के लिए तकनीकी सहायता दे रहा है। जल प्रबंधन योजनाओं में स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ानी चाहिए। जल, जंगल और भूमि को एक साथ जोड़कर संरक्षण योजनाएँ बनानी चाहिए। आधुनिक तकनीकों और पारंपरिक ज्ञान को मिलाकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की रणनीति बनाई जानी चाहिए। शहरी जल पुनर्चक्रणः शहरों में अपशिष्ट जल को पुनः उपयोग में लाने की प्रणाली विकसित करनी चाहिए।

जल संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें समुदायों की भागीदारी भी बहुत जरूरी है। पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक को मिलाकर जल संसाधनों का कुशल प्रबंधन किया जा सकता है। जल शक्ति अभियान और मनरेगा जैसी योजनाओं के साथ अकआधारित निगरानी प्रणाली को जोड़कर जल संरक्षण को और प्रभावी बनाया जा सकता है। इससे जल संकट से निपटने में मदद मिलेगी और भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित होगी। कानूनी मान्यता, वैज्ञानिक सहयोग, स्थानीय भागीदारी, जल पुनर्चक्रण और जलवायु अनुकूलन उपायों को अपनाकर जल संरक्षण को प्रभावी बनाया जा सकता है।

जल संकट से निपटने के लिए हमें अतीत की सीख और भविष्य की तकनीकों के बीच संतुलन बनाना होगा। परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियाँ हमें स्थिरता और स्थानीय अनुकूलन का ज्ञान देती हैं, जबकि आधुनिक तकनीकें जल संसाधनों के कुशल प्रबंधन में सहायता कर सकती हैं। यदि हम दोनों का संगम करके कार्य करें, तो जल संकट का स्थायी समाधान प्राप्त किया जा सकता है। 'बूँद-बूँद से घड़ा भरता है' - जल संरक्षण की दिशा में एक छोटा प्रयास भी भविष्य में बड़ा बदलाव ला सकता है।

घिब्ली की दुनिया बनाम हकीकतः कला, रोजगार और मौलिकता का संघर्ष

प्रियंका सौरभ

अगर हम हकीकत की दुनिया में देखें, तो रोजगार जरूरी है। बिना नौकरी या व्यवसाय के, सिर्फ घिब्ली की खूबसूरत दुनिया में खोकर पेट नहीं भरा जा सकता। लेकिन मानसिक शांति और प्रेरणा के लिए कला भी आवश्यक है। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर घिब्ली स्टाइल की इमेज और वीडियो एक ट्रेंड बन चुके हैं। लोग पिनटेरेस्ट, इंस्टाग्राम और टिकटोक पर इसे देखकर टाइम पास कर रहे हैं, कुछ इसे खुद ट्राई कर रहे हैं, और एआई टूल्स की मदद से घिब्ली-स्टाइल की इमेज बना रहे हैं।

आजकल सोशल मीडिया पर घिब्ली स्टाइल इमेज और वीडियो बहुत लोकप्रिय हो गए हैं। एआई टूल्स की मदद से अब कोई भी बिना आर्ट स्किल्स के घिब्ली जैसी इमेज बना सकता है। लोग पिनटेरेस्ट और इंस्टाग्राम पर घिब्ली मूवी के सीन से बनी एस्थेटिक गिफ्स और वॉलपेपर शेयर कर रहे हैं। टिकटोक और रील्स में घिब्ली सीन के साथ रिलेटेबल ऑडियो या कोट्स लगाकर मजेदार कंटेंट बनाया जा रहा है। कुछ एआई टूल्स अब आपकी असली फोटो को भी घिब्ली स्टाइल में बदल सकते हैं, जिससे लोग अपनी तस्वीरों को फेयरीटेल लुक दे रहे हैं। यह ट्रेंड सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक बड़ी बहस को जन्म दे रहा है-क्या एआई जनरेटेड आर्ट असली कला की जगह ले सकती है?

एआई-जनरेटेड घिब्ली स्टाइल इमेजरी ने मौलिकता पर सवाल खड़ा कर दिया है। पहले कलाकारों को महीनों मेहनत करके घिब्ली जैसी पेंटिंग बनानी पड़ती थी, अब एआई कुछ सेकंड में वैसा ही कुछ तैयार कर देता है। लोग खुद से नया सोचने के बजाय रेडीमेड आर्ट पर निर्भर हो रहे हैं। असली कलाकार अब एआई-जेनरेटेड कंटेंट से मुकाबला करने को मजबूर हैं। एआई और टेम्प्लेट्स के चलते 'कुछ हटकर' करने की सोच धीरे-धीरे खत्म हो रही है। अगर आर्ट को केवल एक ट्रेंड बना दिया गया, तो मौलिकता धीरे-धीरे खत्म हो जाएगी। इसका समाधान यह है कि लोग घिब्ली स्टाइल से प्रेरणा लेकर अपनी खुद की यूनिक कहानियाँ और आर्ट बनाएं, न कि बस इंटरनेट पर मौजूद चीजों को दोहराएँ। घिब्ली की आत्मा सिर्फ उसकी खूबसूरत विजुअल्स में नहीं, बल्कि उसकी गहरी कहानियों और भावनात्मक जुड़ाव में है।

अगर किसी को घिब्ली की दुनिया इतनी पसंद है कि वह इसमें कुछ नया जोड़ना चाहता है, तो यह एक रोजगार का साधन भी बन सकता है। उदाहरण के लिए डिजिटल आर्टिस्ट घिब्ली-स्टाइल आर्ट बनाकर पैसा कमा सकते हैं। मर्चेंडाइज बिजनेस (पोस्टर, स्टिकर, कपड़े) से आय हो सकती है। यूट्यूब और सोशल मीडिया पर घिब्ली स्टाइल कंटेंट क्रिएट करना एक करियर विकल्प हो सकता है। एनिमेशन इंडस्ट्री में घिब्ली से प्रेरित होकर ओरिजिनल शॉर्ट फिल्म्स और सीरीज बनाई जा सकती हैं। गेम डिजाइन और वीएफएक्स स्टूडियो में भी घिब्ली जैसी विजुअल स्टाइल को अपनाकर कैरियर बनाया जा सकता है। हालांकि, केवल घिब्ली की दुनिया में खोए रहना नुकसानदायक हो सकता है। असली ज़िंदगी के काम टलते रहते हैं, और लोग प्रोडक्टिविटी खो सकते हैं। अगर कोई सिर्फ एनीमेशन देखने में उलझा रहता है और अपने करियर पर ध्यान नहीं देता, तो यह एक समस्या बन सकती है।

घिब्ली की दुनिया आदर्श होती है-जहाँ हर चीज खूबसूरत, शांत और जादुई होती है। लेकिन असली दुनिया संघर्ष, तनाव और कठिनाइयों से भरी होती है। अगर कोई हर समय घिब्ली जैसी ज़िंदगी ढूंढे, तो असली दुनिया बेरंग और कठिन लग सकती है। समय की बबार्दीः लोग घंटों तक घिब्ली मूवीज, पिनटेरेस्ट आर्ट, एआई -जनरेटेड इमेज और इंस्टाग्राम रील्स देखते रहते हैं। यह 'टाइम पास' कब 'टाइम वेस्ट' में बदल जाता है, पता भी नहीं चलता। अगर कोई सिर्फ एनीमेशन देखने में उलझा रहता है, लेकिन उसे अपने करियर पर ध्यान देना चाहिए, तो यह नुकसानदेह हो सकता है।

अगर कोई हर समय घिब्ली जैसी ज़िंदगी ढूंढे, तो असली दुनिया बेरंग और कठिन लग सकती है। कुछ लोग इस वजह से प्रेरणा और महत्वाकांक्षा भी खो सकते हैं। घिब्ली स्टाइल इतना लोकप्रिय हो गया है कि कई कलाकार अपनी खुद की स्टाइल डिवेलप करने के बजाय सिर्फ घिब्ली-स्टाइल आर्ट कॉपी कर रहे हैं। घिब्ली स्टाइल एन्जॉय करें, लेकिन उसमें खो न जाएँ। अगर आपको आर्ट पसंद है, तो इसे एक स्किल में बदलें, जिससे आप कमाई कर सकें। अपने करियर और लाइफ गोल्स को इग्नोर न करें-काम जरूरी है, कला सिर्फ सुकून के लिए है। मौलिकता बनाए रखें-घिब्ली से प्रेरित हों, लेकिन अपनी खुद की यूनिक स्टाइल डेवलप करें। टाइम मैनेजमेंट करें-आर्ट और मनोरंजन का आनंद लें, लेकिन काम और ज़िम्मेदारियों को नजरअंदाज न करें।

घिब्ली का जादू खूबसूरत है, लेकिन अगर यह हमारी असली ज़िंदगी को प्रभावित करने लगे, तो नुकसान हो सकता है। बैलेंस बनाना जरूरी है-कला और करियर, कल्पना और हकीकत के बीच! घिब्ली-प्रेरित कला को करियर में बदला जा सकता है-डिजिटल आर्ट, मर्चेंडाइज, यू ट्यूब कंटेंट और एनिमेशन इंडस्ट्री में इसका उपयोग हो सकता है। लेकिन सिर्फ घिब्ली की दुनिया में खो जाना नुकसानदेह हो सकता है-यह समय की बबार्दी, करियर पर असर, असली दुनिया से डिस्कनेक्ट और मौलिकता की कमी ला सकता है। समाधान यह है कि घिब्ली की प्रेरणा से कुछ नया और मौलिक बनाया जाए, न कि केवल कॉपी किया जाए। कला और रोजगार के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है ताकि हम जीवन के दोनों पहलुओं का पूरा लाभ उठा सकें।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
फ्यूचर लाइन टाईम्स

दिल्ली: सीएम रेखा गुप्ता ने प्रदूषण से संबंधित कैग रिपोर्ट विधानसभा में की पेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को विधानसभा में प्रदूषण और उसके रोकथाम से संबंधित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट पेश की।

रिपोर्ट के अनुसार, सतत परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों की संख्या केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों के अनुरूप नहीं थी, जिसके चलते वायु गुणवत्ता सूचकांक का डेटा अविश्वसनीय रहा। उचित निगरानी के लिए आवश्यक प्रदूषक सांद्रता डेटा उपलब्ध नहीं था और लेड के स्तर की माप भी नहीं की गई। प्रदूषण स्रोतों पर वास्तविक समय का डेटा न होने से जरूरी अध्ययन नहीं हो सके।

वाहनों से होने वाले उत्सर्जन का कोई आकलन नहीं किया गया, जिससे स्रोत-विशिष्ट रणनीतियां बनाने में मुश्किलें आईं। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि 24 निगरानी स्टेशनों में से 10 में बेंजीन का स्तर तय सीमा से अधिक था, लेकिन पेट्रोल पंपों से होने वाले उत्सर्जन की प्रभावी निगरानी नहीं हुई।

सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था भी चिंता का विषय रही। दिल्ली में 9,000 बसों की आवश्यकता के मुकाबले केवल 6,750 बसें उपलब्ध थीं। बस प्रणाली में संचालन संबंधी अक्षमताएं, जैसे बसों का ऑफ-रोड रहना और तर्कहीन मार्ग योजना, भी सामने आईं। साल 2011 के बाद ग्रामीण-सेवा वाहनों की संख्या में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई, जबकि जनसंख्या लगातार बढ़ी और पुराने वाहन प्रदूषण बढ़ाते रहे।

वैकल्पिक परिवहन साधनों (मोनोरेल, लाइट रेल ट्रांजिट, ट्रॉली बस) के लिए आवंटित बजट पिछले सात वर्षों से अप्रयुक्त पड़ा रहा। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि सार्वजनिक परिवहन बसों की उत्सर्जन जांच, जो माह में दो बार अनिवार्य है, नियमित रूप से नहीं हुई।

प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र जारी करने में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं सामने आईं, जिसमें अत्यधिक उत्सर्जन वाले वाहनों को भी पास कर दिया गया। प्रदूषण जांच केंद्रों का कोई निरीक्षण या थर्ड पार्टी ऑडिट नहीं हुआ। आधुनिक तकनीकों, जैसे रिमोट सेंसिंग डिवाइस, को अपनाने में देरी और वाहन फिटनेस परीक्षणों का ज्यादातर मैन्युअल तरीके से होना भी चिंताजनक रहा।

वित्त वर्ष 2018-19 में 64 प्रतिशत वाहन, जो फिटनेस परीक्षण के लिए नियत थे, परीक्षण के लिए नहीं पहुंचे। स्वचालित वाहन निरीक्षण इकाइयों का उपयोग न्यूनतम रहा और बिना उचित परीक्षण के फिटनेस प्रमाणपत्र जारी किए गए। दिल्ली में भाजपा सरकार बनने के बाद, विधानसभा में आबकारी नीति से संबंधित रिपोर्ट, स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित रिपोर्ट और दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) से संबंधित रिपोर्ट सहित अब तक पांच कैग रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी जा चुकी हैं।

लग्जरी कार की चोरी के आरोप में गिरोह का सरगना गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। शाहदरा जिले की एटीएस ने लग्जरी कार चोरी करने वाले गिरोह के सरगना को कड़कड़डूमा इलाके से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपित की निशानदेही पर अलग-अलग इलाके से चोरी की दो फॉर्च्यूनर और एक ब्रेजा कार बरामद हुई है। आरोपित राजस्थान के जोधपुर का रहने वाला है। शाहदरा जिला के डीसीपी प्रशांत गौतम ने मंगलवार को बताया कि 18 मार्च की रात आनंद विहार इलाके से एक फॉर्च्यूनर कार चोरी हुई थी। इस मामले की जांच के लिए एटीएस की टीम को लगाया गया था। एटीएस की टीम ने घटना के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला, जिससे आरोपितों की पहचान हो गई। इसके बाद पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक आरोपित को कड़कड़डूमा के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपित की पहचान राजस्थान के जोधपुर निवासी 35 वर्षीय सादिक के तौर पर हुई है। आरोपित सादिक ने पलिस को पूछताछ में बताया कि वो कई वाहनों की चोरी में शामिल रहा है। वह इलाके के ऑटो लिफ्टरों से भी चोरी की गाड़ियां खरीदता है। आरोपित की निशानदेही पर अलग-अलग इलाके से चोरी की दो टोयोटा फॉर्च्यूनर कार और एक ब्रेजा कार बरामद हुई है। पुलिस की पूछताछ में आरोपित ने खुलासा किया कि वह चोरी के वाहनों का सक्रिय रिसीवर है। वह पिछले 6-7 वर्षों से चोरी के चार पहिया वाहन प्राप्त करने में सक्रिय रूप से शामिल रहा है और उसका राजस्थान में आपराधिक इतिहास भी है। सादिक ने 5वीं कक्षा तक पढ़ाई की है। वह शादीशुदा है और उसके तीन बच्चे हैं। वह , जोधपुर में एक गैराज चलाता है। वह कथित व्यक्तियों से चोरी की गाड़ियां प्राप्त करता था और उन्हें जरूरतमंद व्यक्तियों को बेच देता था।

न्यू सीलमपुर इलाके में झुग्गियों में लगी आग

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यू सीलमपुर इलाके में मंगलवार सुबह दो झुग्गियों में आग लग गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस व दमकल की सात गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मियों ने आधे घंटे के भीतर आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिसआग लगने के कारणों की जांच कर रही है। दमकल विभाग के अनुसार मंगलवार सुबह साढ़े सात बजे दमकल कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि न्यू सीलमपुर केपास झुग्गियों में आग लग गई है। सूचना मिलते ही एक एक कर दमकल की सात गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल अधिकारी के अनुसार आग दो झुग्गियों में लगी थी। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

कूरियर के जरिये ओडिशा से मंगाते थे गांजा, तीन धरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर जिला स्पेशल स्टाफ ने मंगलवार को गांजे की तस्करी में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी राजा बांठिया ने बताया कि इनके कब्जे से 51 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। आरोपियों के 15 लाख रुपये विभिन्न बैंक खातों में फ्रिज कराए हैं। जांच में सामने आया कि आरोपी कूरियर के जरिये ओडिशा से गांजा मंगवाते थे। उत्तर जिला पुलिस की टीम मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान चला रही है। इसी क्रम में स्पेशल स्टाफ के एसआई विनीत को सूचना मिली थी कि तीन मार्च को कुछ लोग बस अड्डे के पास गांजा लेकर आ रहे हैं। स्पेशल स्टाफ प्रभारी इंस्पेक्टर रोहित संड की टीम ने छापा मारकर तीन आरोपियों को दो किलोग्राम गांजे समेत गिरफ्तार किया था। पकड़े गए आरोपी विकास, मंजय और कुशींद्र ने बताया कि गिरोह ओडिशा से कूरियर के माध्यम से गांजा मंगाता है। पुलिस ने इनकी निशानदेही पर अंधा मुगल स्थित ठिकाने से 15 किलोग्राम और विभिन्न कोरियर कंपनी के दफ्तर से 37 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। आरोपियों ने बताया कि ओडिशा से मनोज गांजा भेजता था। कूरियर कंपनियों को धोखा देने के लिए तस्करों ने बिजली के कार्य में इस्तेमाल होने वाले दस्ताने, हेलमेट और जूते भेजने शुरू किए। जब कंपनियों को भरोसा हो गया तो गांजा भेजना शुरू कर दिया। डिटर्जेंट पाउडर के पैकेट खोलकर गांजा रखते थे। इसकी वजह से गांजे की महक बाहर नहीं आती थी। अंधा मुगल स्थित गोदाम में कोरियर पहुंचने के बाद इसे दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में भेजा जाता था।डीसीपी राजा बांठिया ने बताया कि उत्तर जिले में एक माह से नशे के खिलाफ अभियान चल रहा है। इस दौरान सात तस्करों को गिरफ्तार किया हैं। इनमें एक नाइजीरियाई नागरिक और दो महिलाएं शामिल हैं। डीसीपी ने बताया कि स्पेशल स्टाफ ने सिविल लाइंस इलाके से दस किग्रा गांजा बरामद किया है।

इंदौर से हजरत निजामुद्दीन के बीच चलेगी विशेष ट्रेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे की ओर से हजरत निजामुद्दीन से इंदौर के बीच विशेष रेलगाड़ी का परिचालन किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 09309 इंदौर से प्रत्येक शुक्रवार और रविवार (4 अप्रैल से 29 जून तक) को शाम 5 बजे चलकर अगले दिन सुबह 5 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 09310 हजरत निजामुद्दीन से प्रत्येक शनिवार एवं सोमवार (5 अप्रैल से 30 जून तक) को सुबह 8:20 बजे चलकर रात 9 बजे इंदौर पहुंचेगी।

बजिंदर सिंह को उम्रकैद, स्वाति मालीवाल ने फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोहाली की पॉक्सो कोर्ट ने स्वघोषित पादरी बजिंदर सिंह को 2018 के यौन उत्पीड़न मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने कोर्ट के इस फैसले का स्वागत किया।

राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि बजिंदर सिंह को यौन शोषण मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई। कोर्ट की ओर से सुनाई गई सजा का स्वागत करती हूं। बजिंदर सिंह झूठा और पाखंडी आदमी है। इसने अपने पाखंड के चलते पिछले कई सालों में कई कनवर्जन भी किए हैं। कभी ये किसी मरे हुए इंसान को जिंदा करने का नाटक करता है, कभी ये किसी विकलांग को ठीक कर देने का पाखंड रचता है। उन्होंने आगे कहा कि मुझे एक बात समझ नहीं आती है कि बजिंदर सिंह को पिछले कई सालों से पंजाब सरकार संरक्षण क्यों दे रही है। बजिंदर सिंह को सरकार ने हाई सिक्योरिटी भी दे रखी है। आशा करती हूं कि इस मामले में जांच अब और तेज होगी।

वहीं, बजिंदर के वकील एचएस धनोआ ने कहा कि कोर्ट की तरफ से उम्रकैद की सजा और एक लाख का जुर्माना लगाया है। हमारी तरफ से मांग की गई थी कि कम से कम सजा दी जाए। हमने कहा था कि बजिंदर के 3 छोटे बच्चे हैं, पत्नी बीमार हैं। इस मामले में जल्द ही हाईकोर्ट में अपील की जाएगी।

बता दें कि मोहाली की पॉक्सो कोर्ट द्वारा आजीवन कारावास की सजा सुनाये जाने के बाद स्वघोषित पादरी बजिंदर सिंह को कड़ी सुरक्षा के बीच जेल ले जाया गया। कोर्ट ने पिछले हफ्ते बजिंदर को भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार), धारा 323 (चोट पहुंचाने) और धारा 506 (आपराधिक धमकी) के तहत दोषी करार दिया था। हरियाणा के यमुनानगर निवासी और जालंधर स्थित 'चर्च ऑफ ग्लोरी एंड विजडम' के संस्थापक बजिंदर सिंह खुद को ईसा मसीह का दूत बताता है और चमत्कारिक इलाज का दावा करता है। उसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं, जिसमें वह मरीजों को ठीक करता दिखाई देता है।

बजिंदर सिंह को उम्रकैद की सजा मिलने के बाद पीड़िता और उसके परिवार ने राहत की सांस ली और न्याय मिलने पर खुशी जताई। पीड़िता ने कोर्ट का आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'मैं मोहाली कोर्ट के जज, वकीलों, मीडिया और इस लड़ाई में मेरे साथ खड़े सभी लोगों की शुक्रगुजार हूं। मुझे आज इंसाफ मिला है।' पीड़िता के पति ने कहा, 'बजिंदर एक आदतन अपराधी और हिस्ट्रीशीटर है। सजा सुनाते समय उसके आपराधिक इतिहास को ध्यान में रखा गया। हमें न्याय प्रणाली पर भरोसा था और आज वह पूरा हुआ। कोर्ट ने इस मामले में 5 अन्य लोगों को बरी किया है, जिन्होंने 7 साल तक सजा भुगती। हम इस फैसले से पूरी तरह संतुष्ट हैं। लिखित फैसले में यह देखना होगा कि क्या जज उसे 'हैबिचुअल क्रिमिनल' घोषित करते हैं।' पीड़िता के वकील अनिल कुमार सागर ने कहा कि बजिंदर सिंह को उम्रकैद की सजा मिली है, यानी उसे अपनी आखिरी सांस तक जेल में रहना होगा। अदालत ने साबित कर दिया है कि सर्वोच्च शक्ति न्यायपालिका के पास है। जो गलत करेगा, उसे सजा जरूर मिलेगी।

दिल्ली में बत्ती गुल होने से आप विधायक नाराज, सदन में चर्चा की मांग उठाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 01 अप्रैल (वेब वार्ता)। आम आदमी पार्टी (आप) विधायकों ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा सचिव को नोटिस सौंपकर राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में कथित बिजली कटौती पर चर्चा का अनुरोध किया है। आप पार्टी विधायक संजीव झा और कुलदीप कुमार ने दिल्ली के बिजली मंत्री आशीष सूद को अलग-अलग पत्र लिखकर लंबे समय तक बिजली की कटौती की समस्या पर प्रकाश डाला और सरकार से इस मुद्दे को सुलझाने का आग्रह किया है।

संजीव झा ने क्या कहा

बुराड़ी से विधायक संजीव झा ने 28 मार्च को अपने विधानसभा क्षेत्र के जगतपुर गांव में बिजली कटौती की ओर ध्यान आकृष्ट किया, जिससे घरों, व्यवसायों और आवश्यक सेवाओं पर असर पड़ा। झा ने विधानसभा में प्रक्रिया और व्यवसाय के संचालन नियमों के नियम 54 का हवाला देते हुए लिखा, ''शिकायतों के बावजूद कोई तत्काल समाधान नहीं किया है। मैं बिजली मंत्री से विस्तृत स्पष्टीकरण देने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह करता हूं।'

विधायक कुलदीप ने जाने क्या कहा

इस बीच, विधायक कुलदीप कुमार ने विधानसभा में इस मुद्दे पर चर्चा के लिए नियम 59 के तहत स्थगन प्रस्ताव लाने की मांग की। कुमार ने कहा, ''इन बिजली कटौती से निवासियों को भारी असुविधा हुई है, कारोबार बाधित हुआ है और आवश्यक सेवाएं बाधित हुई हैं। स्थिति पर सरकार को तत्काल ध्यान देने और पूरी तरह से जवाब देने की आवश्यकता है।' बिजली आपूर्ति के मुद्दे ने आप और सत्तारूढ़ भाजपा के बीच राजनीतिक विवाद को जन्म दिया है। आप नेताओं ने भाजपा पर फरवरी में सत्ता संभालने के बाद बिजली वितरण का प्रबंधन करने में विफल रहने का आरोप लगाया है।

आतिशी बोली- बिजली कटौती के लिए भाजपा जिम्मेदार

आप की वरिष्ठ नेता और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को बिजली कटौती के लिए भाजपा नीत प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया और कुप्रबंधन का आरोप लगाया। आतिशी ने कहा, ''ऐसा कैसे हो सकता है कि 10 साल में बिजली कटौती नहीं हुई, लेकिन भाजपा शासन के एक महीने के भीतर ही बिजली कटौती फिर से शुरू हो गई? इसका मतलब केवल एक ही है- भाजपा को सरकार चलाना नहीं आता। उनके पास दिल्ली के लोगों की सेवा करने का न तो इरादा है और न ही क्षमता।'

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा- बिजली आपूर्ति सरकार का मूल कर्तव्य

भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आरोपों का जवाब देते हुए इन दावों का खंडन करते हुए कहा कि निर्बाध बिजली आपूर्ति किसी भी सरकार का मूल कर्तव्य है और उन्होंने आप पर बिजली क्षेत्र के प्रबंधन में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। सचदेवा ने कहा, ''मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, वडोदरा और बेंगलुरु जैसे भाजपा शासित शहरों में निर्बाध बिजली आपूर्ति है। यहां तक कि उत्तर प्रदेश, जो कभी खराब बिजली प्रबंधन के लिए जाना जाता था, अब स्थिर बिजली आपूर्ति कर रहा है। 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराना सरकार का कर्तव्य है, कोई एहसान नहीं।'

केजरीवाल ने भाजपा की आलोचना की

पूर्व मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी शुक्रवार को इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और सोशल मीडिया पर भाजपा की आलोचना की। केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स% पर पोस्ट किया, ''हमने बड़ी मुश्किल से दिल्ली में बिजली व्यवस्था स्थापित की थी, निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की। 10 साल तक बिजली कटौती नहीं हुई है। उन्होंने लिखा, ''सिर्फ एक महीने में उन्होंने व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है।

कितनी आई सीटे

दिल्ली की 8वीं विधानसभा का पहला बजट सत्र अभी जारी है। फरवरी में हुए चुनाव में भाजपा ने 70 में से 48 सीट जीती, जिससे आप का एक दशक पुराना शासन खत्म हो गया और 27 साल बाद राष्ट्रीय राजधानी में सत्ता में उसकी वापसी हुई है।

दिल्ली दंगा मामला : राउज एवेन्यू कोर्ट से मंत्री कपिल मिश्रा को झटका, एफआईआर दर्ज करने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली दंगों से जुड़े एक मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच करने का आदेश दिया है। यह आदेश मोहम्मद इलियास नाम के व्यक्ति की दायर याचिका पर दिया गया, जिसमें उन्होंने दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा समेत अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। दिल्ली पुलिस ने कपिल मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का विरोध किया और कोर्ट में कहा कि उन्हें फंसाने की साजिश रची जा रही है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में पहले ही उचित जांच हो चुकी है और मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ किसी ठोस सबूत के अभाव में एफआईआर दर्ज करना अनावश्यक होगा। हालांकि, कोर्ट ने इस तर्क को खारिज करते हुए दिल्ली पुलिस को एफआईआर दर्ज करने और मामले की जांच आगे बढ़ाने का आदेश दिया। मोहम्मद इलियास ने अगस्त 2024 में एक याचिका दायर की थी। याचिका में दावा किया गया था कि 23 फरवरी 2020 को उन्होंने कपिल मिश्रा और उनके समर्थकों को दिल्ली के कर्दमपुरी इलाके में एक सड़क को ब्लॉक करते हुए देखा था। इलियास ने यह भी आरोप लगाया कि उन्होंने वहां मौजूद रेहड़ी-पटरी वालों की गाड़ियों को तोड़ते हुए भी देखा। याचिका में कहा गया कि तत्कालीन उत्तर-पूर्वी दिल्ली के डिप्टी पुलिस कमिश्नर और अन्य पुलिस अधिकारी भी घटनास्थल पर मौजूद थे और वे कपिल मिश्रा के बगल में खड़े थे। आरोप लगाया गया कि कपिल मिश्रा ने प्रदर्शनकारियों को धमकी देते हुए कहा था कि अगर वे जगह खाली नहीं करेंगे, तो परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें। कोर्ट के आदेश के बाद अब दिल्ली पुलिस को इस मामले में एफआईआर दर्ज कर विस्तृत जांच करनी होगी।

झंडेवालान एक्सटेंशन इमारत में लगी आग

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के झंडेवालान एक्सटेंशन इमारत में मंगलवार दोपहर अचानक आग लगने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। आग चपेट में आकर इमारत के बाहर खड़ी पांच से छह वाहन भी जल गए। सूचना मिलने पर दमकल की 25 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। फिलहाल आग को बुझाने का प्रयास जारी है। आग किस वजह से लगी है, यह पता नहीं चल सका है। दमकल विभाग के अनुसार इमारत के छत पर रखे एसी के आउट डोर में धमाका हुआ। जिसके कारण आग फैल गई। घटनास्थल से मिली जानकारी के अनुसार आग के दौरान एक एसी के फटने की भी सूचना मिली है, जिससे सामने की एक अन्य इमारत को नुकसान पहुंचा। राहत की बात यह है कि इस हादसे में किसी के हताहत होने को सूचना नहीं है।

पुलिस के अनुसार आग दोपहर करीब 2:30 बजे लगी। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैली, जिससे आसपास की इमारतों को भी खतरा उत्पन्न हो गया था। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग इतनी भीषण थी कि अन्य इमारतों के भी चपेट में आने की आशंका थी, लेकिन दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई से स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। इस हादसे में किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई सूचना नहीं है। इमारत में बैंक व ऑफिस : स्थानीय निवासी राज कुमार ने बताया कि उनकी अनारकली इमारत में मार्केटिंग का ऑफिस है। मंगलवार दोपहर करीब दो बजे लोगों का शोर सुना। बाहर आकरदेखा तो पड़ोस की इमारत में आग लगी हुई थी। जिस इमारत में आग लगी वह चार मंजिला बना हुई है। इसमें ग्राउंड फ्लोर पर आईसीआईसीआई बैंक था। बैंक केभीतर तीन एटीएम भी लगे हुए थे। इमारत के आधे हिस्से में नीचे से ऊपर तक बैंक का था जबकि अन्य आधे हिस्से में प्राइवेट ऑफिस बने हुए थे। राजकुमार के अनुसार आग छत से नीचे तक पहुंच गई। आग लगने के दौरान धमाका भी हुआ था। घटना में इमारत के बाहर खड़ी पांच से छह वाहन भी जल गए।आग की सूचना मिलने पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। दमकल के अधिकारी रविन्द्र कुमार ने बताया कि 2:24 बजे पर दमकल को आग लगने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों को आग पर काबू पाने में करीब दो घंटे का समय लगा। आग बुझाने के बाद अब कूलिंग का काम शुरू हो चुका है। मौके पर पहुंचे क्षेत्रीय निगम पार्षद मनीष चड्ढा ने बताया कि आग से किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। न ही किसी के घायल होने या जलने की सूचना है। आग लगने की वजह की जांच की जाएगी।

शराब की दुकान खुलने के विरोध में प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। वसुंधरा एन्क्लेव स्थित प्लाजा मार्केट में शराब की दुकान खुलने से नाराज ज्वाइंट फोरम ऑफ आरडब्ल्यूए, मार्केट एसोसिएशन, वरिष्ठ नागरिक वेलफेयर फोरम और स्थानीय निवासियों ने मंगलवार को विरोध प्रदर्शन किया। ज्वाइंट फोरम ऑफ आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष जेपी शर्मा ने बताया कि शराब की दुकान के दस मीटर के दायरे में दो निजी स्कूल आते हैं। शराब की दुकान खुलने से आसपास का माहौल खराब होगा, छोटे बच्चों पर गलत असर पड़ेगा। वहीं, बाजार में आसामिजक तत्वों की संख्या बढ़ने से महिलाएं के साथ छेड़छाड़ और लूटपाट के मामले भी बढ़ने लगेंगे। इस मौके पर मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीव चौधरी, वरिष्ठ नागरिकों के प्रतिनिधि आईजी शर्मा, अनीता बहल व अन्य मौजूद रहे।

इग्नू ने टीईई के लिए अंतिम तिथि 30 अप्रैल तक बढ़ाई

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जून 2025 टर्म-एंड परीक्षा (टीईई) के लिए असाइनमेंट, परियोजना रिपोर्ट, फील्ड वर्क जर्नल, प्रैक्टिकल, शोध प्रबंध और इंटर्नशिप रिपोर्ट जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अभ्यर्थी इसे अब 30 अप्रैल तक जमा कर सकते हैं।

फुटबॉल लीग में ईएसआईसी और जीएनसीटी ने जीत दर्ज की

नई दिल्ली। विनोद नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में डीएसए इंस्टीट्यूशनल फुटबॉल लीग में मंगलवार को दो मुकाबले हुए। पहले मुकाबले में ईएसआईसी ने रिजर्व बैंक के खिलाफ 6-0 के अंतर से जीत दर्ज की, वहीं, दूसरे मुकाबले में जीएनसीटी (दिल्ली सरकार) ने आवास और शहरी कार्य मंत्रालय को 11-0 के अंतर से पराजित किया। जीएनसीटी की जीत के हीरो संजय ने हैट्रिक लगाई।

बिजली संकट को लेकर आतिशी ने की अपने घर की तस्वीर साझा, एक्स पर लिखा, 'अब तो मेरे ही घर की बिजली चली गई'

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बिजली कटौती का संकट गहराता जा रहा है। आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने ट्वीट कर दिल्ली की भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर तंज कसा है। आतिशी ने अपने ट्वीट में लिखा, ÷अभी तक मैं दूसरों के इलाकों में हो रही बिजली कटौती पर ट्वीट कर रही थी, लेकिन अब मेरे अपने घर की बिजली चली गई है।÷ इस ट्वीट के साथ उन्होंने अपने घर की तस्वीर भी साझा की। दिल्ली में बीते कुछ दिनों से बिजली कटौती को लेकर राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। आम आदमी पार्टी दिल्ली की भाजपा सरकार को लगातार घेर रही है।

आतिशी ने दावा किया कि दिल्ली के विभिन्न इलाकों में प्रतिदिन 4 से 6 घंटे की बिजली कटौती हो रही है, इससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति 2015 से पहले की दिल्ली की याद दिलाती है, जब बिजली कटौती आम बात थी। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि भाजपा सरकार बिजली आपूर्ति में विफल हो रही है और राजधानी में अघोषित कटौती हो रही है। आतिशी ने इससे पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विभिन्न इलाकों में हो रही बिजली कटौती का दस्तावेज दिखाते हुए कहा था कि दिल्ली सरकार द्वारा समय पर बिजली कंपनियों को भुगतान किए जाने के बावजूद बिजली कट रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं ले रही है और दिल्ली की जनता को अंधेरे में रहने के लिए मजबूर कर रही है।

बिजली कटौती से परेशान दिल्ली के नागरिकों ने भी सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। ट्विटर और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लोग लगातार बिजली कटौती की शिकायत कर रहे हैं। कई इलाकों से यह भी शिकायतें आई हैं कि बिजली गुल होने से पानी की आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है। हालांकि, भाजपा सरकार ने आम आदमी पार्टी के आरोपों को खारिज किया है और कहा है कि दिल्ली में बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से चल रही है और आप पार्टी इस मुद्दे पर केवल राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर कहीं भी समस्या आ रही है, तो वह स्थानीय कारणों से हो रही होगी और सरकार इसे जल्द सुलझाने के लिए प्रयासरत है।

दिल्ली में बिजली कटौती का मुद्दा अब पूरी तरह से राजनीतिक रंग ले चुका है। जहां एक ओर आम आदमी पार्टी इसे भाजपा सरकार की नाकामी बता रही है, वहीं भाजपा इसे मात्र एक राजनीतिक प्रचार बता रही है।

नगदी का मामला : तीन जजों की समिति, सीबीआई जांच की सिफारिश करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नकदी बरामदगी विवाद में फंसे जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाई गई 3 सदस्यीय समिति सीबीआई जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट से सिफारिश करेगी। उम्मीद जताई है ऑल इंडिया बार एसोसिएशन के चेयरमैन और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ आदीश सी अग्रवाला ने जस्टिस यशवंत वर्मा के आउटहाउस में कथित रूप से जलाए गए पैसों की हालिया घटना को लेकर आदीश ने सोमवार को एक बयान जारी किया और कुछ अहम बिंदुओं पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि कमेटी इस मामले में लगाए गए पैसों के स्रोत का पता लगाने, तथा ये पैसे जस्टिस वर्मा के आउटहाउस में कैसे पहुंचे, के बारे में पक्की जांच करने में सक्षम नहीं है, और कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकाल सकती है। इसके अलावा, कमेटी को धारा 180 बीएनएसएस और धारा 183 बीएनएसएस के तहत गवाहों के बयान दर्ज करने का भी अधिकार नहीं है, जिससे इस घटना की व्यापक जांच करने की उसकी क्षमता सीमित हो जाती है। डॉ अग्रवाला ने आगे कहा, यह कमेटी आपराधिक मंशा या पैसों के स्रोत को लेकर कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकाल सकती। साथ ही, कमेटी के सदस्य भी किसी संभावित आपराधिक जांच में गवाह बनने से संकोच कर सकते हैं।

गैस सिलेंडर फटने से 4 बच्चों समेत 7 लोगों की मौत

कोलकाता (एजेंसी)। दक्षिण 24 परगना जिले के पाथर प्रतिमा में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां घर में रखे दो सिलेंडरों में धमाके होने के बाद 4 बच्चे, 2 महिलाएं और एक पुरुष की मौत हो गई है। आशंका है कि ये सभी एक ही परिवार के हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पथार प्रतिमा प्रखंड के धोलाघाट गांव में रात करीब नौ बजे हुए विस्फोट में एक महिला झुलस भी गई। सुंदरबन पुलिस जिले के पुलिस अधीक्षक कोटेश्वर राव ने मीडिया से कहा, सभी शवों को घर से निकाल लिया गया है। झुलसी महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की चपेट में आने वाले सभी लोगों के एक ही परिवार से होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि पुलिस को संदेह है कि घर में दो गैस सिलेंडर थे और अंदर रखे पटाखों में आग लगने के बाद आग फैल गई। राव ने कहा, स्थिति नियंत्रण में है और बचाव अभियान पूरा हो गया है। इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और जांच जारी है। वहीं, एक अन्य अधिकारी ने बताया कि यह भी पता लगाने के लिए जांच की जाएगी कि क्या पटाखों का निर्माण घर के अंदर ही किया गया था।

दरवाजा खटखटाया खुलते ही जबरन घर में घुस गए आतंकी, खाना खाया और भाग गए

जम्मू (एजेंसी)। कठुआ के एक घर में आतंकी घुस गए। पानी पिया और रसाई में रखी सब्जी रोटी खाकर भाग गए। इस दौरान उन्होंने परिवार वालों को जमकर डराया और धमकाया।परिवार ने सुरक्षाबलों को बताया कि बीती शाम तीन संदिग्ध आतंकी उनके घर में घुसे। तीनों भूखे प्यासे थे। उन?होंने पहले घर के बाहर पहुंचकर पानी मांगा, फिर जबरदस्ती रसोईघर में घुस आए। परिवार की महिला सदस?य ने कहा कि वो मुझे पैसे दे रहे थे लेकिन मैने नहीं लिए। इसके बाद वो रसोई में जाकर कड़ाई से खुद सब्जी और रोटी निकाल कर खाने लगे। हमने बहुत बार बोला कि हमारे घर के अंदर न जाओ पर वह माने नहीं। महिला के मुताबिक वह इंडियन करेंसी के 500-500 के नोट दे रहे थे। उनके पास भारी बैग थे और उन?होंने काले कपड़े पहने हुए थे। हम डर से घर को छोड़ कर भाग गए। करीब एक घंटे के बाद वह रसोई में जो भी खाने को मिला, उसे खाने के बाद वह चले गए। कठुआ में इंडियन आर्मी और आतंकियों के बीच सोमवार देर रात से यह मुठभेड़ जारी है। सुरक्षाबलों का दावा है कि बीते 8 दिनों में यह दहशतगर्दों के साथ उनका तीसरा एनकाउंटर है। इस परिवार के घर में जबरन खाना खाने के बाद सुरक्षाबलों ने उनकी तलाश में आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान आतंकियों की तरफ से भी गोलीबारी की गई।जांच टीम ने बताया कि रामकोट बेल्ट के पंजतीर्थी इलाके में अभियान अभी भी जारी है। मुठभेड़ के मद्देनजर जंगल में फंसे तीनों आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए रात में घेराबंदी कर दी गई थी। इससे पहले दिन में पुलिस उप महानिरीक्षक शिव कुमार शर्मा ने कहा था कि आखिरी आतंकवादी के मारे जाने तक अभियान जारी रहेगा।

सो रहे पुजारी पर बदमाशों ने किया हमला, पुलिस कर रही संदिग्धों से पूछताछ

कुशीनगर (एजेंसी)। नेबुआ नौरंगिया के टोला हजारीपट्टी स्थित कुंवरवर्ती मां मंदिर परिसर में कमरे में सो रहे पुजारी पर नकाबपोश बदमाशों ने हमला कर दिया था। पुजारी पर हुए जानलेवा हमला के 48 घंटे बाद भी पुलिस हमलावरों को नहीं पकड़ सकी है। पुलिस ने चार संदिग्धों को हिरासत में लिया उनसे पूछताछ की जा रही है। मंदिर के पुजारी व दुबौली हजारीपट्टी निवासी जटाधारी रामलखनदास त्यागी पुत्र रामनारायण दास शनिवार रात मंदिर परिसर में बने कमरे में सो रहे थे कि आधी रात हथियारों से लैस नकाबपोश बदमाशों ने कमरे का फाटक तोड़ने का प्रयास करने लगेद्य पुजारी की जब नींद खुली तो उन्होंने फाटक खोला। इसके बाद बदमाश उन पर हमला कर उन्हें बंधक बनाकर पांच सौ मीटर दूरी पर घसीटते हुए केले के खेत में ले गए । आरोप है कि वहां बदमाशों ने पुजारी के हाथ बांध दिया और उन्हें जमकर पीटा। उसके बाद मंदिर के कमरे में पहुंच कर तोड़फोड़ कर कुछ नगदी समेत कुछ सामान उठा ले गए। बदमाशों के जाने के बाद पुजारी गांव में पहुंच कर लोगों को घटना की जानकारी दी, तो ग्रामीणों को इसकी जानकारी मिली तो आक्रोशित हो गए। ग्रामीणों ने मंदिर परिसर में विरोध प्रदर्शन कर शीघ्र खुलासा करने की मांग की। इस मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर चार संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। प्रभारी निरीक्षक नेबुआ नौरंगिया ने बताया कि सोमवार को दो अन्य को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद दोनों को छोड़ दिया। मामले की जांच चल रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

अखिलेश पर योगी का तंज, अपने कृत्यों से दुर्गंध नहीं आती, गौसेवा में दुर्गंध नजर आती

बरेली (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव के गौशाला की दुर्गंध बनाम इत्र की सुगंध वाले बयान पर जवाब दिया है। उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश पर निशाना साधकर कहा कि जिन्हें अपने कृत्यों से दुर्गंध नहीं आती है, उन्हें गौमाता की सेवा में दुर्गंध ही नजर आएगी।

सीएम योगी ने बरेली कॉलेज मैदान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर कहा, मां गंगा की पूजा करने का जो पुण्य प्राप्त हुआ, वहीं गौ माता की पूजा करने से प्राप्त होगा। सपा के लोग जो गौकशी करवाते थे, गौतस्करों और कसाइयों के साथ जिनके संबंध थे, वे गौ माता की सेवा करना क्या जानें, उन्हें गौ माता के गोबर में दुर्गंध ही नजर आएगी। उन्हें अपने कृत्यों से दुर्गंध नहीं दिखाई देती है, उन्हें गौ माता की सेवा में दुर्गंध नजर आती थी। इसीलिए सपा अध्यक्ष के मुंह से आखिर निकल ही गया।

बीते दिनों अखिलेश यादव ने कहा था, कन्नौज में हमने भाईचारे की खुशबू फैलाई है। दूसरी ओर भाजपा नफरत की बदबू फैलाती है। मैं कन्नौज के लोगों से आग्रह करता हूं कि वे भाजपा द्वारा फैलाई गई दुर्गंध को दूर करें, कुछ हद तक यह पहले ही साफ हो चुकी है, लेकिन अगले चुनाव में पूरी तरह से हटा दें ताकि कन्नौज का रुका हुआ विकास आगे बढ़ सके। भाजपा के लोग दुर्गंध पसंद करते हैं, इसीलिए गौशाला बना रहे हैं। हम सुगंध पसंद कर रहे थे, इसलिए इत्र पार्क बना रहे थे। सीएम योगी ने मंगलवार को बरेली में स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने स्कूली बच्चों को किताबें और किट भी बांटी। इसके साथ ही सीएम योगी ने 932 करोड़ रुपए की 132 योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

सीएम योगी कहा, 2017 में जब बेसिक शिक्षा परिषद की स्थिति को मैंने देखा था, तब बेसिक शिक्षा परिषद की स्थिति बेहद खराब थी। तमाम स्कूल बंदी की कगार पर जा रहे थे। स्मार्ट क्लास और डिजिटल लाइब्रेरी की बात दूर की कौड़ी थी। आज मुझे बताकर प्रसन्नता हो रही है, यूपी में 2017 में 1 करोड़ 34 लाख बच्चों ने केवल नामांकन करवाया था, जिसमें से 60 प्रतिशत बच्चे वे थे, जो कभी स्कूल नहीं जाते थे।

विदेशों में काम करने वाले भारतीयों ने साल 2024 में बंपर पैसा भेजा, रेमिटेंस के मामले में शीर्ष पर भारत

नई दिल्ली । विदेशों में काम करने वाले भारतीयों ने 2024 में रिकॉर्ड 129.4 अरब डॉलर की राशि भेजी है। वहीं, देश को अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में अब तक का सबसे अधिक करीब 36 अरब डॉलर का रेमिटेंस प्राप्त हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों से यह जानकारी दी गई। आंकड़ों के अनुसार, 2024 में भारत रेमिटेंस प्राप्त करने में शीर्ष पर था। इसके बाद दूसरे स्थान पर 68 अरब डॉलर के साथ मैक्सिको था। चीन 48 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर, फिलीपींस 40 अरब डॉलर के साथ चौथे और पाकिस्तान 33 अरब डॉलर के साथ पांचवें स्थान पर रहा था। वर्ल्ड बैंक के डेटा के मुताबिक, रेमिटेंस के बढ़ने की रफ्तार 2024 में 5.8 प्रतिशत रही है, जो कि 2023 में 1.2 प्रतिशत थी। बीते कुछ दशकों में विदेशों में काम करने वाले भारतीयों की संख्या करीब तीन गुना बढ़कर 2024 में 1.85 करोड़ हो गई है, जो कि 90 के दशक में 66 लाख थी। इसके साथ ही ग्लोबल माइग्रेंट्स में भारत का शेयर बढ़कर 6 प्रतिशत से अधिक हो गया है, जो कि पहले 4.3 प्रतिशत था। दुनिया के अलग-अलग देशों में रह रहे भारतीयों में से करीब 50 प्रतिशत गल्फ देशों में हैं। वर्ल्ड बैंक के अनुसार, कम और मध्यम आय वाले देशों में रेमिटेंस जैसे कि एफडीआई, अन्य प्रकार के बाहरी वित्तीय प्रवाहों से अधिक हो गया है और जनसांख्यिकीय रुझानों, आय अंतराल और जलवायु परिवर्तन से माइग्रेशन के कारण इसमें वृद्धि जारी रहेगी।

चारधाम यात्रा को लेकर धामी सरकार एक्शन में, तीर्थ यात्रियों से तय किराया ही लें... वरना परमिट होगा रद्द

देहरादून (एजेंसी)। दिल्ली-यूपी, राजस्थान सहित देश के अन्य राज्यों से बद्रीनाथ-केदारनाथ उत्तराखंड चारधाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए बड़ी खबर आई है। गंगोत्री-यमुनोत्री सहित चारों धामों में टैक्सी संचालकों की ओर से तीर्थ यात्रियों से मनमाना किराया लेने पर उत्तराखंड की धामी सरकार की ओर से सख्त एक्शन लेने की बात कही है। बता दें कि एक धाम से लेकर चारों धामों के दर्शन के लिए टैक्सी का किराया तय है। विभागीय अधिकारियों का कहना है श्रद्धालुओं से मनमाना किराया लेने पर टैक्सी संचालकों का परमिट भी रद्द होगा।

उत्तराखंड सरकार की ओर से सड़कों को ठीक करने से लेकर बिजली-पानी, स्वास्थ्य सहित अन्य सुविधाओं को पहले से बेहतर बनाया जा रहा है ताकि धामों के दर्शन को जा रहे तीर्थ यात्रियों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी न हो। बता दें कि चारधाम यात्रा के नोडल अधिकारी आरटीओ देहरादून सुनील शर्मा ने टैक्सी संचालकों को सख्त चेतावनी देकर कहा है कि तीर्थ यात्रियों से तय किराया ही लें, वर्ना उनके खिलाफ सख्त एक्शन होगा। उन्होंने चेताया कि श्रद्धालुओं से ज्यादा किराया लेने पर टैक्सी का परमिट भी रद्द किया सकता है।

टैक्सी संचालकों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे परमिट शर्तों का पालन किया जाए। चेताया कि ओवरस्पीडिंग और ओवरलोडिंग करने पर सख्त एक्शन लेकर चालानी कार्रवाई की जाएगी। रजिस्ट्रेशन, ग्रीन कार्ड और ड्राइवरों के ड्रेस कोड के बारे में भी अपडेट किया गया। इसके साथ ही, गाड़ियों में डस्टबिन की व्यवस्था सुनिश्चित के लिए भी कहा गया है।

वक्फ बिल: हजारों पन्नों की रिपोर्ट एक दिन में पढ़ने को दी गई

-सपा सांसद रामगोपाल यादव भड़के, सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ बिल इसी सप्ताह सदन में पेश किया जा सकता है। एक तरफ सरकार ने एनडीए के अपने सहयोगियों को साथ लाने की कोशिशें कर रही है तो वहीं दूसरी तरफ विपक्ष भी एकजुट हो रहा है। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके और आरजेडी जैसे दलों ने पूरी ताकत के साथ बिल का विरोध का ऐलान किया है। इस बीच सपा के राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि यह सरकार देश में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की योजना पर काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि जेपीसी में जल्दबाजी में वक्फ बिल की रिपोर्ट पास कराई। विपक्ष को हजारों पन्नों की रिपोर्ट एक दिन में पढ़ने को दी गई है। वहां से जबरदस्ती बिल को पास करा लिया और यहां भी करा लेंगे। रामगोपाल ने कहा कि बीजेपी जब से सत्ता में आई है, तब से उसकी यही कोशिश है कि देश में माहौल खराब किया जाए। उन्होंने मुसलमानों की संपत्ति वक्फ बोर्ड बिल के जरिए छीनने के आरोपों को सही करार दिया। उन्होंने कहा कि यह डर गलत थोड़ी है कि सरकार मुसलमानों की संपत्ति छीन सकती है। उनकी तो जान पर भी खतरा है। पुलिस अभिरक्षा में मारा जा रहा है और उनकी संपत्तियों को हड़पा जा रहा है। इसलिए यदि वक्फ बिल को लेकर उनके मन में कोई डर है तो यह सही है।

वहीं कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि हमने जेपीसी में अपनी ओर से सारे ऐतराज जता दिए थे, लेकिन उन्हें स्वीकार नहीं किया गया। अब हम संसद में भी पुरजोर विरोध करेंगे। शिवसेना उद्धव गुट की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने तो दावा किया है कि सरकार इस बिल को पारित नहीं करा पाएगी। उन्होंने कहा कि टीडीपी, जेडीयू और चिराग पासवान की पार्टियां इस बिल का समर्थन नहीं करेंगी। प्रियंका ने कहा कि मुझे लगता है कि अमेरिका की ओर से टैरिफ लागू हो सकता है। इससे कारोबार पर असर होगा। फार्मा सेक्टर समेत कई उद्योगों ने सरकार से अपील की है कि वह अमेरिका से बात करे। इतने अहम मुद्दे से शायद ध्यान भटकाने के लिए सरकार वक्फ बिल लाना चाहती है। उनका उद्देश्य यही है कि इस बिल के नाम पर जनता का ध्यान भटका दिया जाए। फिर भी बिल की ही बात है तो जेडीयू, टीडीपी और चिराग पासवान इस बिल के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि हर रविवार को किरेन रिजिजू कहते हैं कि इस वीक हम बिल लेकर आएंगे। कई महीनों से ऐसा हो रहा है, लेकिन अब तक बिल तो संसद में नहीं आया है।

अभिनेता सैफ अली खान पर हमले के आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई टली

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान के घर पर हुए हमले के आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई टल गई है। सैफ पर हमले के आरोपी मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद ने बांद्रा की एक अदालत में जमानत याचिका दायर की है। मामले की सुनवाई मंगलवार को होनी थी। हालांकि, पुलिस द्वारा जमानत आवेदन पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दिए जाने के कारण अदालत ने जमानत आवेदन पर सुनवाई की अगली तारीख 4 अप्रैल तय की है। इसलिए इस जमानत अर्जी पर अब शुक्रवार 4 अप्रैल को सुनवाई होने की संभावना है। इस बीच अदालत ने पुलिस को अगली सुनवाई तक जमानत अर्जी पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। ज्ञात हो कि 16 जनवरी 2025 को सैफ अली खान पर उनके घर में घुसकर हमला किया गया था। घटना में घायल हुए सैफ अली खान को इलाज के लिए बांद्रा पश्चिम स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच, आरोपी शरीफुल इस्लाम ने याचिका में दावा किया है कि उसके खिलाफ झूठा मामला दर्ज किया गया है। आरोपी ने दावा किया है कि उसकी गिरफ्तारी अवैध थी और गिरफ्तारी के बाद मामले की जांच करते समय अधिकारियों ने कानून का उल्लंघन किया। याचिका में कहा गया है कि आरोपी ने हिरासत में रहते हुए जांच में अधिकारियों के साथ उचित सहयोग किया है और अब उसे और अधिक समय तक हिरासत में रखने की आवश्यकता नहीं है। याचिका में दावा किया गया है कि इस मामले में आवश्यक बरामदगी और जांच पूरी हो चुकी है, अब केवल आरोपपत्र दाखिल करना बाकी है, इसलिए आरोपियों को हिरासत में रखने की कोई जरूरत नहीं है। आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 311 लगाई गई है, लेकिन याचिका में दावा किया गया है कि इस धारा को लगाने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं। अदालत ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई होगी।

बंगाल की खाड़ी का गार्डियन बांग्लादेश है वाले बयान पर कांग्रेस नेता ने उठाए सवाल

पवन खेड़ा बोले- केंद्र सरकार मणिपुर समेत पूरे क्षेत्र की नहीं कर रही है देखभाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह कहते नजर आ रहे हैं कि बंगाल की खाड़ी का गार्डियन उनका देश है, ना कि भारत। इस वीडियो को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया है और बीजेपी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार की विदेश नीति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस ने कहा कि भारत को घेरने के लिए बांग्लादेश की तरफ से चीन को न्योता देना पूर्वोत्तर क्षेत्र की सुरक्षा के लिए बहुत खतरनाक है। इसने आरोप लगाया गया है कि सरकार मणिपुर समेत पूरे क्षेत्र की देखभाल नहीं कर रही है।

कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने 'एक्स' पर लिखा-भारत को घेरने के लिए बांग्लादेश चीन को आमंत्रित कर रहा है। बांग्लादेश सरकार का यह रवैया हमारे पूर्वोत्तर क्षेत्र की सुरक्षा के लिए खतरनाक है। सरकार मणिपुर की सुध नहीं ले रही है और चीन पहले ही अरुणाचल में गांव बसा चुका है। खेड़ा ने आगे कहा कि हमारी विदेश नीति इतनी दयनीय स्थिति में है कि जिस देश के निर्माण में भारत की प्रमुख भूमिका थी, वह भी आज हमारे खिलाफ लामबंदी करने में लगा है। उन्होंने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस की एक वीडियो क्लिप साझा की, जिसमें उन्होंने दावा किया कि उनका देश महासागर (बंगाल की खाड़ी) का संरक्षक है। यूनुस चीन में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत के पूर्वी हिस्से में चारों ओर से जमीन से घिरे सात राज्य हैं, जिन्हें सात बहनें कहा जाता है। उन्होंने कहा कि उसके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है। हम बंगाल की खाड़ी के संरक्षक हैं। यूनुस ने चीन को दुनिया भर में इसके जरिए से माल भेजने के लिए आमंत्रित किया है। वह पिछले सप्ताह चीन की चार दिवसीय यात्रा पर थे, जहां उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात की थी और कई मुद्दों पर बातचीत की थी।

जातिगत संतुलन साधने के चलते तमिलनाडु में भाजपा बदल सकती है प्रदेशाध्यक्ष

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई को उनकी जिम्मेदारी से मुक्त किया जा सकता है। वजह ये है कि भाजपा यहां जातिगत संतुलन साधने पर जोर दे रही है। सूत्रों पर भरोसा करें तो तमिलनाडु में बीजेपी चीफ के पद पर अन्नामलाई की जगह विधायक नैनर नागेंद्रन को दी जा सकती है। हालांकि, इसे लेकर भाजपा की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। पहले एआईएडीएमके में रहे नागेंद्रन तिरुनेलवेली से आते हैं और वह प्रभावी थेवर समुदाय से हैं।

हालांकि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में एक साल का समय बाकी है। इससे पहले ही राज्य की राजनीति में बड़े बदलाव के आसार हैं। खबर है कि भारतीय जनता पार्टी के मौजूदा प्रदेश प्रमुख के अन्नामलाई अध्यक्ष पद छोड़ सकते हैं। हालांकि, कहा जा रहा है कि उन्हें पद से हटाए जाने का फैसला जातिगत समीकरणों के चलते लिया जा सकता है। ये संभावनाएं ऐसे समय पर सामने आ रही हैं, जब हाल ही में भाजपा के पुराने साथी एआईएडीएमके के नेताओं और अन्नामलाई दोनों ने ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात की थी।

रिपोर्ट के अनुसार, अन्नामलाई तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष पद छोड़ सकते हैं। कभी तमिलनाडु में साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाली भाजपा और एआईएडीएमके साल 2023 में अलग हो गए थे। तब अन्नामलाई को इसकी बड़ी वजह माना जा रहा था। एक अखबार से बातचीत में भाजपा सूत्रों का कहना है कि यह फैसला अन्नामलाई के लिए सजा नहीं, बल्कि जातिगत समीकरणों के चलते लिया जा सकता है।

दिल्ली में शाह संग हुई एआईएडीएमके नेताओं की बैठक के बाद से ही आगामी विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन की अटकलें तेज हो गई थीं। अब रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भाजपा के इस फैसले को लेकर अन्नामलाई को शाह के साथ हुई बैठक के दौरान सूचित कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि दक्षिण भारतीय राज्य में भाजपा को चर्चा में लाने वाले अन्नामलाई से कहा गया है, दिल्ली को उनके लिए उज्जवल भविष्य नजर आ रहा है।यह माना जा रहा है कि अन्नामलाई ने पार्टी के साथ पूरी वफादारी की बात कही है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया, उन्होंने बता दिया है कि पार्टी के प्रति प्रतिबद्धता को लेकर उनके मन में दूसरे कोई विचार नहीं हैं और वह एक कैडर के तौर पर भी काम करने के लिए तैयार हैं। एक अन्य नेता ने कहा, अन्नामलाई प्रदेश अध्यक्ष पद पर रहें या न रहें, लेकिन वह तमिलनाडु में भाजपा के अहम चेहरे रहेंगे। फिलहाल, यह देखा जाना बाकी है कि वह अपने लिए राष्ट्रीय भूमिका चुनते हैं या राज्य में ही उन्हें दूसरी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

नगदी कांड: जस्टिस वर्मा ने सभी आरोप नकारे कहा-कैश का सोर्स बताने का प्रश्न ही नहीं उठता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर में कैश कांड का रहस्य बरकरार है। आरोपों से घिरे जस्टिस वर्मा ने सभी आरोपों को सिरे से नकार दिया है। हालांकि इस मामले की चल रही जांच के तहत सुप्रीम कोर्ट ने जज से सीधे तौर पर तीन सवालों के जवाब तलब किए। पहला सवाल था कि जस्टिस वर्मा के घर में स्थित कमरे में मौजूद धन/कैश की उपस्थिति का हिसाब वह कैसे देते हैं? दूसरा सवाल था कि उक्त कमरे में पाए गए कैश का सोर्स बताएं? तीसरा अहम सवाल था कि वह व्यक्ति कौन है, जिसने 15 मार्च 2025 की सुबह कमरे से जले हुए नोट निकाले थे?

जस्टिस वर्मा ने भी सुप्रीम कोर्ट के इन इन तीनों सवालों के सीधे जवाब दिए। पहले सवाल के जवाब में जस्टिस वर्मा ने लिखित रूप से कहा कि मुझे कभी भी घर के स्टोर रूम में पड़े किसी पैसे या नगदी के बारे में पता नहीं था। न तो मुझे और न ही मेरे परिवार के किसी भी सदस्य को कैश यानी नकदी के बारे में कोई जानकारी थी। न ही इसका मुझसे या मेरे परिवार से कोई संबंध है। मेरे परिवार के सदस्यों या कर्मचारीयों को जिस रात को आग लगी उस रात को ऐसी कोई मुद्रा या नकदी दिखाई नहीं गई। दूसरे सवाल का जवाब देते हुए जस्टिस वर्मा ने कहा कि पहले प्रश्न के जवाब से साफ तौर पर जाहिर है कि दूसरे प्रश्न का जवाब यानी कैश का सोर्स को स्पष्ट करने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता।

तीसरे प्रश्न का जवाब देते हुए जस्टिस वर्मा ने कहा कि मैं इस आरोप को पूरी तरह से नकारता हूं कि हमने स्टोर रूम से नोट निकाले हैं। जैसा कि मैंने ऊपर वाले सवाल में बताया है कि हमें जले हुए नोटों की बोरियां न तो दिखाई गईं और न ही सौंपी गईं। कमरे के अंदर आग से लगे जिस सीमित मलबे को बचाने की कोशिश की गई वह अभी भी आवास के एक हिस्से में मौजूद है। सवाल के जवाब में आगे लिखते हुए जस्टिस वर्मा ने कहा कि जैसा कि मैंने बताया कि मैं और मेरी पत्नी 15 मार्च 2025 की शाम को ही इंडिगो की फ्लाइट संख्या 2303 से भोपाल से लौटे थे। इसलिए इसके कथित रूप से हटाए जाने का सवाल हमें ज्ञात नहीं है। किसी भी घटना में मेरे किसी भी कर्मचारी ने किसी भी रूप में कोई वस्तु मुद्रा या नकदी नहीं निकाली। फिलहाल अभी इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से बनाई गई तीन सदस्यीय समिति जांच कर रही है। जस्टिस वर्मा की ओर से सुप्रीम कोर्ट ने जो सवाल पूछे थे, उस जवाब को भी जांच समिति को सौंप दिया गया है। बता दें कि इस कैश कांड के बाद जस्टिस वर्मा का इलाहाबाद हाईकोर्ट में ट्रांसफर हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा से यह भी कहा कि आप अपने

मोबाइल फोन को नष्ट न करें। अपने मोबाइल फोन से किसी भी बातचीत संदेश या डेटा को न हटाए और न ही संशोधित करें।

अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं , लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।

प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

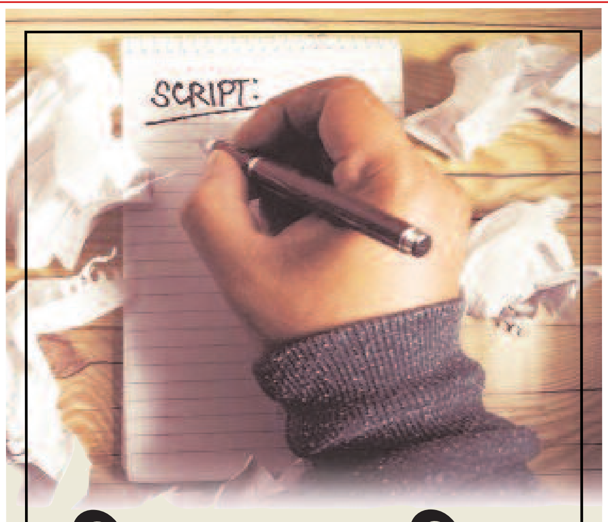

स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढने़ में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढने़ के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।

बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है।

जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।

कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं।

मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।

जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढना़ चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णत- व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढिय़ा परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।

देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं।

अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

सावित्रीबाई फुले का किरदार पर्दे पर निभाना बड़ी जिम्मेदारी थी

अभिनेत्री पत्रलेखा की अपकमिंग बायोपिक 'फुले' का ट्रेलर हाल ही में लॉन्च हुआ। फिल्म में अभिनेत्री सावित्रीबाई फुले की भूमिका में हैं। अभिनेत्री ने बताया कि पर्दे पर सावित्रीबाई फुले का किरदार निभाना, उनके लिए एक बड़ी जिम्मेदारी थी और उनका यह सफर भावनाओं से भरा रहा। इसे एक परिवर्तनकारी और बेहद प्रेरणादायक अनुभव बताते हुए, पत्रलेखा ने कहा कि समाज सुधारक की भूमिका निभाना उनके लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी, उन्होंने उनके संघर्ष, ताकत और विरासत को पर्दे पर दिखाने का प्रयास किया।

उन्होंने बताया, जब मुझे इस भूमिका के लिए संपर्क किया गया, मेरे विचार स्पष्ट थे। जब मैंने पहली बार अनंत सर से बात की, तो उन्होंने मुझे स्क्रिप्ट भेजी, जो काफी बड़ी थी। मुझे याद है कि मैंने उन्हें फोन करके कहा था, सर, यह स्क्रिप्ट बहुत बड़ी है। मेरे पास पढ़ने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन उन्होंने मुझे आश्वस्त करते हुए कहा कि यह सिर्फ पहला ड्राफ्ट है और वे इसे और बेहतर बनाएंगे। डेढ़ साल बाद, मुझे अंतिम स्क्रिप्ट मिली और यह खूबसूरती से लिखी गई थी। मैं मना नहीं कर सकी। मुझे बस इतना पता था कि मुझे इसका हिस्सा बनना है। पत्रलेखा ने सावित्रीबाई फुले के रूप में चुने जाने पर अपनी शुरुआती प्रतिक्रिया के बारे में भी बताया, उन्होंने स्वीकार किया कि वह इतनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए उत्साहित और चिंतित दोनों थीं। अभिनेत्री ने बताया, ईमानदारी से कहूं तो मैं तुरंत ही इस किरदार की ओर आकर्षित हो गई। यह सिर्फ एक ऐतिहासिक शख्सियत का किरदार निभाने के बारे में नहीं था, यह साहस की कहानी के बारे में था। जब अनंत सर और मैंने पहली बार बात की, तो मैं ऐसे महत्वपूर्ण व्यक्ति का किरदार निभाने को लेकर चिंतित थी, लेकिन उन्होंने मेरी मदद की। उन्होंने कहा, अपनी चिंताओं को छोड़ो और बस करो। उस आश्वासन ने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया। बेशक यह चुनौतीपूर्ण था, लेकिन एक बार जब मैं सेट पर गई, तो घबराहट गायब हो गई।

फिल्म में सावित्रीबाई का किरदार निभाना उनके लिए कितना चुनौतीपूर्ण था, इस बारे में अभिनेत्री ने कहा, मैं पहले तो काफी चिंतित थी, लेकिन अनंत सर ने मेरी मदद की। उन्होंने मुझे चीजों को समझने और अपना आत्मविश्वास पाने का मौका दिया। इस तरह के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक किरदार को निभाना कोई आसान काम नहीं है। टीम के सहयोग से मुझे किरदार में पूरी तरह से ढलने का आत्मविश्वास मिला। अनंत महादेवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में ज्योतिराव फुले की भूमिका में प्रतीक गांधी हैं। यह महात्मा फुले की 197वीं जयंती के मौके पर 11 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

द भूतनी में दिखाई देंगे सनी सिंह

अपनी आगामी फिल्म भूतनी के ट्रेलर लॉन्च पर अभिनेता सनी सिंह ने कहा कि वह हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहते थे। नी सिंह, मौनी रॉय, पलक तिवारी, संजय दत्त, निक और आसिफ खान 'द भूतनी' में नजर आएंगे। फिल्म का ट्रेलर फैंस को पसंद आ रहा है। कॉमेडी और हॉरर का मिक्सअप इस फिल्म में देखने को मिलेगा। ल्म के बारे में अपनी उत्सुकता साझा करते हुए सनी ने कहा, मैं हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहता था। जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी और सिद्धांत सचदेव से मिला, तो मुझे पूरा कॉन्सेप्ट पसंद आया। संजू सर के साथ, मुझे पता था कि यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा। द्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित और दीपक मुकुट और संजय दत्त द्वारा बनाई गई यह हॉरर-कॉमेडी एक भरपूर मनोरंजन करने का वादा करती है। नी ने कहा कि लोगों को फिल्म का पोस्टर बहुत पसंद आया है और मुझे भी। हर हॉरर कॉमेडी अनोखी होती है, लेकिन यह कॉन्सेप्ट पहले देखी गई किसी भी चीज से अलग है। इसे खूबसूरती से शूट किया गया है, और मेरे दोस्त पहले से ही उत्साहित हैं। दर्शकों ने पहले भी मेरी फिल्मों में मुझे पसंद किया है, और मुझे लगता है कि इस बार भी वे मुझे उतना ही प्यार देंगे।

यह फिल्म 18 अप्रैल को रिलीज होगी।

सनी ने 2007 में धारावाहिक कसौटी जिंदगी की टेलीविजन पर अपनी शुरुआत की, जिसमें उन्होंने कृतिका सेंगर द्वारा निभाए गए किरदार के प्रेमी की भूमिका निभाई। इसके बाद, उन्होंने 2009 के धारावाहिक शकुंतला में करण की भूमिका निभाई। सनी ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 2010 में पाठशाला से की थी, जिसमें उन्होंने शाहिद कपूर के साथ काम किया था। 2011 में उन्होंने मधुर भंडारकर की कॉमेडी फिल्म दिल तो बच्चा है जी में काम किया, जिसमें उन्होंने एक छोटी सी भूमिका निभाई थी। उनकी पहली प्रमुख भूमिका रोमांटिक ड्रामा आकाश वाणी में थी। न्होंने प्यार का पंचनामा 2 में कार्तिक आर्यन के साथ काम किया। 2011 में फिल्म प्यार का पंचनामा रिलीज हुई थी। जिसमें कार्तिक, नुसरत, ओमकार कपूर, इशिता राज शर्मा और सोनाली सह-कलाकार थे। ख्य अभिनेता के रूप में उनकी पहली रिलीज उजड़ा चमन थी, जो गंजेपन की अवधारणा पर आधारित थी। 2023 में उन्होंने रामायण पर आधारित फिल्म आदि पुरुष में लक्ष्मण की भूमिका निभाई।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा से पूरी तरह कटा दिशा वकानी का पत्ता

दिशा वकानी कई फिल्मों और टीवी शो का हिस्सा रही हैं, लेकिन उनका सबसे मशहूर किरदार तारक मेहता का उल्टा चश्मा की दया बेन का रहा है। उन्होंने 2017 में शो छोड़ दिया था। इसके बाद कई बार उनकी वापसी की खबरें आईं, लेकिन हर बार वह महज अफवाह साबित हुईं। अब शो में दया बेन की वापसी की खबरें फिर सामने आई हैं, लेकिन दिशा वकानी के रूप में नहीं, बल्कि नए कलाकार की कास्टिंग की खबरें सामने आई हैं। अब कथित तौर पर निर्माताओं ने दिशा का रिप्लेसमेंट ढूंढ लिया है। इससे पहले शो के निर्माता असित मोदी ने पुष्टि की थी कि दिशा शो में वापस नहीं आएंगी, जिसका मतलब था कि निर्माताओं को उनका रिप्लेसमेंट ढूंढना होगा। अब न्यूज 18 की रिपोर्ट के अनुसार, शो के निर्माता असित मोदी दया बेन की भूमिका के लिए ऑडिशन ले रहे थे और आखिरकार उन्होंने किसी को शॉर्टलिस्ट कर लिया है। एक सूत्र ने बताया है कि हां, यह सही है। असित नई दया बेन की तलाश में थे और हाल ही में एक ऑडिशन ने उन्हें काफी प्रभावित किया। अभिनेत्री के साथ मॉक शूट चल रहे हैं। वह हमारे साथ शूटिंग करते हुए यहां करीब एक सप्ताह से हैं।

दिशा की शादी नवंबर 2015 में हुई थी और 2017 में वह गर्भवती हो गईं। वह मातृत्व अवकाश पर चली गईं और फिर कभी शो में वापस नहीं आईं। बीच में चर्चा थी कि वह वापसी कर सकती हैं, लेकिन 2022 में उन्हें अपने दूसरे बच्चे का आशीर्वाद मिला। अभिनेत्री ने कथित तौर पर अभिनय छोड़ने का फैसला किया है।

कजिन जान्हवी-खुशी को कड़ी टक्कर देंगी शनाया, हाथ लगी बड़ी फिल्म

शनाया कपूर अपनी पहली फिल्म की रिलीज से पहले ही कई बड़े प्रोजेक्ट्स से जुड़ चुकी हैं। इस लिस्ट मे करण जौहर की रोमांटिक ड्रामा फिल्म के अलावा मुंजा स्टार अभय वर्मा के साथ भी एक फिल्म शामिल है। एक खबर के मुताबिक शनाया कपूर स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 में नजर आएंगी। इस फिल्म में शनाया एक नहीं बल्कि डबल रोल निभाती नजर आएंगी। करण के इस बड़े प्रोजेक्ट के अलावा शनाया मुंजा स्टार अभय वर्मा के साथ भी एक फिल्म में नजर आएंगी।

शनाया का वर्कफ्रंट

इन फिल्मों से पहले शनाया की फिल्म तू या मैं का टीजर रिलीज हो चुका है, जिसमें वह आदर्श गौरव के साथ नजर आई। यह एक रोमांचक थ्रिलर फिल्म है, जिसे आनंद एल. राय ने सपोर्ट किया है। प्रशंसकों को यह टीजर बहुत पसंद आया और वह लगातार शनाया की तारीफ कर रहे हैं। इसके अलावा शनाया विक्रांत मैसी के साथ फिल्म आंखों की गुस्ताखियां में भी आएंगी।

शनाया की तारीफ कर रहे हैं फैंस

सोशल मीडिया पर शनाया के फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। कुछ फैंस का मानना है कि वह सबसे अलग और स्मार्ट तरीके से काम कर रही हैं। तो वहीं कुछ फैंस का कहना है कि वह अपनी कजिन सिस्टर जान्हवी और खुशी से भी आगे निकल सकती हैं।

फिल्मी बैकग्राउंड से हैं शनाया कपूर

शनाया कपूर बॉलीवुड अभिनेता संजय कपूर की बेटी और महीप कपूर की बेटी हैं। संजय कपूर कई बॉलीवुड फिल्मों में बतौर हीरो अपनी छाप छोड़ चुके हैं। वहीं महीप को आपने सिंगर इला अरुण के प्रसिद्ध गाने निगोड़ी कैसी जवानी है में देखा होगा। महीप का करियर कुछ खास नही रहा, लेकिन अब उनकी बेटी शनाया कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं।

ज्वेल थीफ में जयदीप और सिद्धार्थ के साथ काम करना रहा शानदार

सैफ अली खान की अपकमिंग थ्रिलर 'ज्वेल थीफ' नेटफ्लिक्स पर रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म में अभिनेता जयदीप अहलावत और निर्माता-निर्देशक सिद्धार्थ आनंद के साथ काम करने को लेकर उत्साहित नजर आए। सैफ ने बताया कि उनके साथ काम करने का उनका अनुभव शानदार रहा। फिल्म में सैफ एक ठग की भूमिका में हैं। उन्होंने बताया कि निर्माता सिद्धार्थ आनंद के पास कहानी को पेश करने का खास तरीका है और इसी वजह से वह काफी उत्साहित हैं। सैफ ने बताया, सिद्धार्थ आनंद के साथ फिर से काम करना उत्साह और खुशियां देता है - वह एक्शन, स्टाइल और कहानी को एक ऐसे तरीके से ब्लेंड करना जानते हैं और ये खास होता है। ज्वेल थीफ के साथ हमने एकदम अलग और शानदार काम किया है, जिसे करने में बहुत मजा भी आया। सैफ ने कहा कि जयदीप ने प्रोजेक्ट में रोमांच को और बढ़ा दिया। अभिनेता जयदीप अहलावत के साथ स्क्रीन शेयर करने के उत्साह को जाहिर करते हुए सैफ ने कहा, जयदीप ने अनुभव को और भी रोमांचक बना दिया। मैं नेटफ्लिक्स पर इस फिल्म की रिलीज को लेकर उत्साहित हूं। फिल्म में माफिया की भूमिका निभा रहे जयदीप ने कहा, यह एक ऐसी फिल्म है जो दिलचस्प, चुनौतीपूर्ण और रोमांचक है। यह एक नए यूनिवर्स में जाने का अनुभव है, जिसमें ऐसे लोग हैं जो सर्वश्रेष्ठ देने के लिए उतने ही उत्साहित हैं, जितने आप।

25 साल बाद सलमान संग काम करने पर बोले संजय

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त ने शनिवार, 29 मार्च को सलमान खान के साथ एक नई एक्शन फिल्म पर काम करने की पुष्टि की। हाल ही में सलमान ने एक प्रेस मीट में खुलासा किया कि वह संजय के साथ एक बड़ी देहाती एक्शन फिल्म में काम करेंगे। अभिनेताओं ने रोमांटिक म्यूजिकल साजन और कॉमेडी फिल्म चल मेरे भाई में साथ काम किया था।

संजय ने की सिकंदर की तारीफ

संजय दत्त शनिवार को मुंबई में अपनी आने वाली हॉरर-कॉमेडी फिल्म द भूतनी के ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुए। इस मौके पर बात करते हुए अभिनेता ने सलमान खान की फिल्म सिकंदर के ट्रेलर की तारीफ की, जो 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। संजय ने कहा, ट्रेलर सुपरहिट है। सलमान मेरा छोटा भाई है। मैं हमेशा उसके लिए प्रार्थना करता हूं। भगवान ने उसे बहुत कुछ दिया है। सिकंदर एक सुपरहिट फिल्म होगी। सलमान के साथ 25 साल बाद फिर से काम करने के बारे में उन्होंने कहा, हां, हम साथ काम कर रहे हैं। साजन और चल मेरे भाई के बाद आप हमारा टशन देखेंगे। यह एक एक्शन फिल्म है। मैं बहुत खुश हूं कि मैं 25 साल बाद अपने छोटे भाई के साथ काम कर रहा हूं। इससे पहले सलमान ने मुंबई प्रेस से बात करते हुए फिल्म के बारे में कहा था, सिकंदर के बाद मैं एक और बड़ी फिल्म कर रहा हूं, जिसमें अगले स्तर का एक्शन होगा। मेरा मतलब है देहाती एक्शन। मैं इसे इंडस्ट्री में अपने बड़े भाई संजय दत्त के साथ कर रहा हूं।

द भूतनी की कहानी

पहले खबर आई थी कि सलमान और संजय दत्त मध्य पूर्व में फिल्माई गई एक अमेरिकी थ्रिलर में नजर आएंगे। वहीं, बात करें द भूतनी की तो यह एक हॉरर-कॉमेडी है, जो एक भूतिया पेड़ के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में संजय दत्त एक भूत-शिकारी की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि मौनी रॉय फिल्म में भूतनी का किरदार निभा रही हैं। यह फिल्म 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

धोखाधड़ी के आरोपों पर श्रेयस तलपदे ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेता श्रेयस तलपदे गुरुवार को उस समय मुश्किल में पड़ गए जब उन पर उत्तर प्रदेश में करोड़ों रुपये के चिटफंड घोटाले में शामिल होने का आरोप लगा, लेकिन शुक्रवार को उनकी टीम ने आधिकारिक बयान जारी कर इन खबरों को खारिज कर दिया और कहा कि उनका इस धोखाधड़ी से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि ये खबरें निराधार और बेसलेस हैं। बयान जारी करते हुए अभिनेता की टीम ने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज की दुनिया में एक व्यक्ति की कड़ी मेहनत से अर्जित प्रतिष्ठा निराधार अफवाहों के कारण अनुचित रूप से धूमिल होने की चपेट में आती है। श्रेयस तलपदे पर धोखाधड़ी में शामिल होने का आरोप लगाने वाली हालिया रिपोर्टें पूरी तरह से झूठी और किसी भी तरह से निराधार हैं।

धोखाधड़ी में शामिल नहीं हैं अभिनेता

बयान में आगे कहा गया है, एक पब्लिक फिगर के रूप में श्रेयस को कई अन्य मशहूर हस्तियों की तरह अक्सर विभिन्न कॉर्पोरेट और वार्षिक कार्यक्रमों में आमंत्रित किया जाता है, जहां वे यथासंभव भाग लेते हैं। कहने की आवश्यकता नहीं है कि तलपदे का किसी भी धोखाधड़ी या गैरकानूनी कार्य से कोई संबंध नहीं है, जैसा कि आरोप लगाया जा रहा है और प्रसारित किया जा रहा है।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट और संपादक ओमवीर आर्य द्वारा पता वत्स ऑफसेट मुद्दा हाउस, ब्लॉक-सी, बरात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जनपद गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण जिला एवं सत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673